हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, सोमवार, 23 फरवरी 2026 वर्ष : 5, अंक : 58 पृष्ठ : 8, मूल्य : निशुल्क web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

सपा को ऑफिस में चक्कर काटने और चेहरा चमकाने में लगे रहने वालों की जरुरत नहीं!

लखनऊ,(एजेंसी)। यूपी में मिशन 2027 को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सभी राजनीतिक दल चुनाव में जीत हासिल करने के लिए रणनीति बनाने में जुटे हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गोपनीय तैयारी शुरू कर दी है, जिस-के तहत एक खास लिस्ट तैयार की जा रही है, जिसमें पार्टी कार्यकताओं की गतिविधियों को लेखा-जोखा तैयार किया जाएगा। अखिलेश ने एक ऐसी लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं जिनमें उन नेताओं और कार्यकताओं को शामिल करने को कहा गया है जो अक्सर पार्टी दफ्तर में घूमते या टहलते नजर आते हैं और अपना ज्यादातर समय सपा ऑफिस में चक्कर काटने या फिर केवल चेहरा चमकाने में लगे रहते हैं बजाय इसके वो जमीनी स्तर पर सपा को मजबूत करने का काम करें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सपा ने ऐसे नेताओं का लेखा-जोखा बनाया है, जिसमें इन नेताओं की फोटो और फोन नंबर के साथ ये जानकारी भी दर्ज की गई है कि कौन सा कार्यकर्ता कितनी बार पार्टी के ऑफिस में आया, उसने कितनी बार हाथ मिलाया और वो जमीन स्तर पर किस तरह काम कर रहा है ताकि आगामी चुनाव में ऐसे नेता को ही टिकट मिल सके जो जमीन पर लोगों के बीच रहकर पार्टी को मजबूत कर रहा है। इस रणनीति को गणेश परिक्रमा रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश साफ तौर पर इस डेटा के आधार पर फील्ड और ऑफिस के अंतर को देखना चाहते है ताकि चुनाव में किसी ऐसे नेता को टिकट ना मिले जो सिर्फ पार्टी के मुखिया के सामने चेहरा चमकाने के लिए ऑफिस में ही घूम रहे हैं। इस सूची के जरिए ऐसे नेताओं की छंटनी कर दी जाएगी तो अपना समय बेवजह के कामों में बिता रहे हैं, जिससे साफ है कि अखिलेश इस बार उम्मीदवारों के चयन को लेकर कोई लापरवाही बरतने के मूड में नहीं हैं। चुनाव में ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी जो सबका साथ से ज्यादा सबके काम और कमिटमेंट के साथ काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिखाई नमो भारत को हरी झंडी, 55 मिनट में मेरठ से पहुंचें दिल्ली

मेरठ,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मेरठ के शताब्दी नगर स्टेशन पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में ह्यनमो भारतह्न रीजनल रैपिड ट्रेन और बहुप्रतीक्षित मेरठ मेट्रो का उद्घाटन किया। हरी झंडी दिख-ाकर दोनों ट्रेनों को रवाना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया।

नमो भारत ट्रेन के संचालन के साथ मेरठ से दिल्ली तक का 88 किलोमीटर का सफर अब महज 55 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। यह ट्रेन 13 स्टेशनों से होकर गुजरेगी, जिनमें दो स्टेशन अंडरग्राउंड हैं। इस परियोजना के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जहां एक ही ट्रैक पर हाई-स्पीड रीजनल रेल और स्थानीय मेट्रो का सफल संचालन संभव हुआ है। पीएम मोदी ने मेट्रो में किया सफर प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन के बाद मेट्रो में सफर भी किया और पहले से मौजूद छात्रों से बातचीत की। नमो भारत ट्रेन मेरठ से दिल्ली और गाजियाबाद तक लंबी दूरी के यात्रियों को तेज कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जबकि मेरठ मेट्रो शहर के भीतर आवागमन का सुलभ साधन बनेगी। दोनों सेवाओं के लिए साझा ट्रैक और स्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग किया गया है, जिसे वैश्विक स्तर पर एक अभिनव मॉडल माना जा रहा है। पश्चिमी यूपी के लिए

विकास की रफ्तार नमो भारत और मेरठ मेट्रो की एक साथ शुरूआत से क्षेत्र में विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर खुलने की उम्मीद है। अब मेरठ से दिल्ली पढ़ाई या नौकरी के लिए जाने वाले लोगों को तेज और विश्वसनीय परिवहन सुविधा मिलेगी। वहीं, दिल्ली-एनसीआर से मेरठ आने-जाने वालों के लिए भी समय की बड़ी बचत होगी। शहर के भीतर मेट्रो सेवा शुरू होने से ट्रैफिक जाम और प्रदूषण में कमी आने की संभावना है।

ट्रायल रन में 160 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार यहां बताते चलें शुक्रवार को आयोजित विशेष ट्रायल रन में नमो भारत ट्रेन ने मेरठ साउथ से सराय काले खां तक का सफर 40 मिनट में पूरा किया था। परीक्षण के दौरान ट्रेन प्रत्येक स्टेशन पर एक-एक मिनट रुकी। इसके बाद सराय काले खां से बेगमपुल तक नॉन-स्टॉप दौड़ते हुए ट्रेन 160 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से महज 39 मिनट में पहुंच गई। सराय काले खां से गाजियाबाद तक का सफर लगभग 15 मिनट में पूरा हुआ।

खास / खबरे

6 राज्यों में पूरा हुआ एसआईआर का काम, गुजरात में सबसे अधिक 68 लाख नाम काटे गए

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग ने देश के छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंक-ड़ों के अनुसार, इस प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों में अभूतपूर्व बदलाव दर्ज किए गए हैं, जिसके तहत लाखों की संख्या में अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आयोग की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया की शुचिता सुनिश्चित करना और फर्जी या दोहरे मतदान की संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त करना है। इस विशेष अभियान के बाद जारी आंकड़े बताते हैं कि मतदाता सूचियों से अपात्र नामों को हटाने के बाद कई राज्यों की कुल मतदाता संख्या में बड़ी कमी आई है। पुनरीक्षण के इन आंकड़ों में सबसे चौंकाने वाली गिरावट गुजरात में देखी गई है, जहां निर्वाचन आयोग ने कुल 68,12,711 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए हैं। इस प्रक्रिया से पहले गुजरात में कुल मतदाताओं की संख्या 5,08,43,436 थी, जो अब घटकर 4,40,30,725 रह गई है। यह राज्य की कुल मतदाता संख्या में 13.40 प्रतिशत की भारी गिरावट को दशार्ता है। गुजरात के बाद मध्य प्रदेश में भी मतदाता सूची में बड़ी शुद्धि की गई है, जहां 34,25,078 नाम हटाए गए। इसके परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 5,74,06,143 से कम होकर अब 5,39,81,065 (-5.97 प्रतिशत) पर आ गई है। इसी तरह राजस्थान में 31,36,286 नाम काटे गए, जिससे वहां मतदाताओं की संख्या 5.46 करोड़ से घटकर 5.15 करोड़ रह गई है। अन्य राज्यों की बात करें तो छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची 2,12,30,737 से घटकर 1,87,30,914 रह गई है, यहाँ कुल 24,99,823 नामों की कटौती हुई है। दक्षिण भारतीय राज्य केरल में सूची से 8,97,211 नाम हटाए गए हैं, जिसके बाद अब वहां कुल मतदाताओं की संख्या 2,69,53,644 है। गोवा में भी मतदाताओं की संख्या में 1,27,468 की गिरावट दर्ज की गई है। केंद्र शासित प्रदेशों में भी इसी तरह की सक्रियता देखी गई। पुडुचेरी में 77,367, अंडमान और निकोबार में 52,364 जबकि लक्षद्वीप में सबसे कम केवल 206 नामों में बदलाव हुआ है। चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ये आंकड़े नेट चेंज को दशार्ते हैं, जिसमें हटाए गए अपात्र नामों में से नए जुड़े पात्र मतदाताओं की संख्या को घटाया गया है। नाम हटाने के प्राथमिक कारणों में मतदाता की मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण, एक से अधिक स्थानों पर पंजीकरण और अन्य पात्रता संबंधी मुद्दे शामिल हैं। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह अभ्यास 12 राज्यों में चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है। पहले चरण के सफल समापन के बाद अब सबकी नजरें उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु पर टिकी हैं। इन तीन बड़े राज्यों के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण का डेटा इस महीने के अंत तक जारी होने की संभावना है। आयोग ने इन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को प्रारंभिक तैयारियां तेज करने के निर्देश दिए हैं। एसआईआर प्रक्रिया का अगला चरण अप्रैल में शुरू होगा, जो मतदाता सत्यापन के देशव्यापी अभियान को आगे बढ़ाएगा। फिलहाल राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, गोवा और अंडमान-निकोबार के लिए अंतिम मतदाता सूचियां आधिकारिक तौर पर प्रकाशित कर दी गई हैं, जो भविष्य के चुनावों के लिए आधार बनेंगी।

दिल्ली में गुजरती फरवरी के साथ सर्दी की विदाई तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में फरवरी के अंत तक मौसम में बदलाव आ रहा है, जहाँ सर्दी की विदाई हो रही है। तापमान लगातार बढ़ रहा है, जो अगले सात दिनों तक जारी रहेगा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। मौसम विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में तापमान लगातार बढ़ रहा है और अगले सात दिनों तक यह बढ़ोतरी जारी रहेगी। अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। अधिकतम 28.4 डिग्री (सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक) और न्यूनतम 12.8 डिग्री दर्ज हुआ था। शनिवार को भी 28-30 डिग्री अधिकतम और 12-14 डिग्री न्यूनतम की उम्मीद जताई गई थी। इसी रुझान में 22 फरवरी को अधिकतम 29 डिग्री और न्यूनतम 13 डिग्री रह सकता है, जबकि 23 फरवरी को अधिकतम 30 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। आसमान ज्यादातर साफ रहेगा, हालांकि सोमवार को हल्के बादल छाए रह सकते हैं। सुबह हल्की धुंध या कोहरा आम बात है, लेकिन दोपहर तक मौसम सुहावना हो जाता है।

पुलिस वाहन को ट्रेलर ने मारी जोरदार टक्कर, 5 पुलिसकर्मियों की मौत, 3 गंभीर

झारसुगुड़ा,(एजेंसी)। ओडिशा के झा-रसुगुड़ा जिले में रविवार तड़के एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने पुलिस की बोलेरो गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे पांच पुलिस कर्मियों की मौत हो गई। तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। इस भीषण घटना में पुलिस वाहन के परखच्चे उड़ गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस टीम ड्यूटी पर थी, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे उसमें सवार पांच पुलिस कर्मियों ने घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले जवानों की पहचान कर ली गई है। इस दुर्घटना में ड्रिल सब-इंस्पेक्टर निरंजन कुजूर, एपीआर कर्मी काशीराम भोई, एपीआर कर्मी देबदत्त सा, एपीआर हवलदार लिंगराज धुरुआ और होमगार्ड भक्तबंधु मिर्धा की जान गई है। जानकारी के मुताबिक दुर्घटना में घायल तीन अन्य कर्मियों में आर्म्ड

पुलिस रिजर्व के दो सदस्य और एक सार्जेंट शामिल हैं।

स्थानीय पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उन्हें बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के मुताबिक तीनों की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें विशेषज्ञों की कड़ी निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिका-री मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने आरोपी ट्रेलर चालक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह हादसा चालक की लापरवाही, नींद आने या किसी तकनीकी खराबी के कारण हुआ। वरिष्ठ अधिकारियों ने शहीदों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है और घायलों को बेहतर इलाज का आश्वासन दिया है।

रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार हुए भाजपा विधायक चंद्रू लमानी, अब राजनीति में मचा हड़कंप

बेंगलुरु(एजेंसी)।कर्नाटक में भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लोकायुक्त पुलिस ने शिरहट्टी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चंद्रू लमानी को गिरफ्तार कर लिया है। विधायक के साथ उनके दो सहायकों, मंजुनाथ वाल्मीकि और गुरुनायक को भी हिरासत में लिया गया है। यह पूरी कार्रवाई सिंचाई परियोजना से जुड़े एक रिश्वत मामले में जाल बिछाकर की गई है, जिसने राज्य की राजनीति में हड़कंप मचा दिया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब गदग जिले के चिंचली निवासी प्रथम श्रेणी ठे-केदार विजय पुजारी ने लोकायुक्त में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। शि-ाकायत के अनुसार, लघु सिंचाई विभाग के अंतर्गत सड़क के दोनों ओर रिटेनिंग वॉल (सुरक्षा दीवार) के निर्माण कार्य को सुचारू रूप से चलाने और बकाया बिलों के भुगतान की सुविधा के बदले विधायक द्वारा कथित तौर पर 11 लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। लोकायुक्त अधिकारियों ने इस शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया और उस समय दबिश दी जब विधायक और उनके सहायकों ने रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 5 लाख रुपये स्वीकार किए। पुलिस ने मौके से ही तीनों को हिरासत में लेकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम,

1988 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस गिरफ्तारी के बाद कर्नाटक की सियासत में जुबानी जंग तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विपक्षी दल पर तीखा हमला करते हुए कहा कि विधायक को रंगे हाथों पकड़ा गया है और अब विरोधियों को जवाब देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार जांच में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी और लोकायुक्त को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दिया जाएगा। वहीं, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी व्यंग्यात्मक लहजे में कटाक्ष करते हुए विपक्ष की ईमानदारी पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, भाजपा ने इस कार्रवाई पर रक्षात्मक रुख अपनाया है। प्रदेश नेतृत्व का कहना है कि वे तथ्यों की विस्तृत पुष्टि के बाद ही आधिकारिक बयान देंगे, हालांकि पार्टी प्रवक्ताओं ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा बताते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल जानबूझकर विपक्ष के नेताओं को निशाना बना रहा है। विधायक चंद्रू लमानी की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही गदग में उनके समर्थकों ने भारी विरोध प्रदर्शन किया। समर्थकों ने इस कार्रवाई को एक गहरी राजनीतिक साजिश करार देते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वर्तमान में पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि इस लेन-देन से जुड़े अन्य पहलुओं का पता लगाया जा सके।

मध्यप्रदेश के सात जिलों में बारिश का अलर्ट, राजस्थान में पारा 30 डिग्री के पार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश के पहाड़ी और मैदानी राज्यों में मौसम में बदलाव हो रहा है। मध्य प्रदेश में फरवरी के महीने में चौथी बार बारिश का अलर्ट जारी हुआ है। साइक्लोनिक सकुर्लेशन और टर्फ की सक्रिय की वजह से मौसम बदला है। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश के मंडला, डिंडौरी समेत सात जिलों में पानी गिरने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे में 15 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। राजस्थान में मौसम में दोबारा बदलाव आया है। सुबह-शाम की सर्दी कम हो गई है। शनिवार को 10 से ज्यादा शहरों का अधिकतम टेम्परेचर 30डिग्री सेल्सियस और उससे ज्यादा रहा। उत्तराखंड के हिमालयी इलाकों में टेम्परेचर 0 डिग्री से नीचे है। मुनस्यारी प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां टेम्परेचर माइनस 240डिग्री रहा। गंगोत्री में -22, बद्रीनाथ में -19, हेमकुंड साहिब में -18 और हर्षिल में -17डिग्री रहा। राज्य में कहीं भी बर्फबारी का अलर्ट नहीं है। 23-24 फरवरी को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कई इलाकों में बर्फबारी की संभावना है।

प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

प्रयागराज,(एजेंसी)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ नाबालिग बच्चों के कथित यौन शोषण के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। यह कार्रवाई प्रयागराज की विशेष पॉक्सो अदालत के आदेश के बाद की गई। झूंसी थाने में दर्ज एफआईआर में उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी और 2-3 अज्ञात व्यक्तियों को भी नामजद किया गया है। पुलिस ने मामला पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी महेश मिश्रा ने मीडिया को बताया, कि अदालत के निर्देश मिलते ही शनिवार देर रात केस दर्ज कर लिया गया। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि आरोप गंभीर और संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आते हैं तथा साक्ष्य संकलन के लिए पुलिस जांच आवश्यक है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि जांच निष्पक्ष और स्वतंत्र हो तथा पीड़ितों की पहचान और गरिमा की रक्षा सुनिश्चित की जाए। शिकायत पर

कोर्ट ने दिए थे एफआईआर के आदेश यह मामला आशुतोष ब्रह्मचारी की ओर से दायर याचिका के बाद सामने आया। आशुतोष ब्रह्मचारी, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य बताए जाते हैं। उन्होंने 8 फरवरी को विशेष पॉक्सो कोर्ट में शि-ाकायत दाखिल की थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि गुरुकुल की आड़ में नाबालिगों का उत्पीड़न किया गया। सुनवाई के दौरान दो नाबालिगों के बयान कैमरे के सामने दर्ज किए गए थे। अदालत ने 13 फरवरी को आदेश स-ुरक्षित रखने के बाद शनिवार को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि माघ मेला और महाकुंभ के दौरान आयोजित शिविर में दो नाबालिगों के साथ कई बार जबरन यौन शोषण किया गया और विरोध करने पर उन्हें धमकाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस में पहले तहरीर देने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। शंकराचार्य ने आरोपों को निराधार बताया कोर्ट के आदेश के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि यह एक बनावटी मामला है।

उनका कहना है कि आशुतोष ब्रह्मचारी पूर्व में भी झूठे मुकदमे दर्ज कराने के आरोपी रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि यह प्रकरण वैचारिक मतभेदों का परिणाम है और वह न्यायिक प्रक्रिया में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय की प्रक्रिया का सम्मान करते हुए वे जांच में सहयोग करेंगे और सत्य सामने आएगा।

शिवम ने लिव इन पार्टनर के प्राइवेट पार्ट्स पर सेनिटाइजर डालकर लगा दी आग

गुरुग्राम,(एजेंसी)। दिल्ली में एक 19 साल की लड़की के साथ उसके लिव इन पार्टनर ने हैवानियत की हदें पार कर दीं। पहले तो वह उसे शादी का झांसा देकर उससे संबंध बनाता रहा। आरोपी ने विवाद होने के बाद लड़की को बुरी तरह पीटा बल्कि उसके प्राइवेट पार्ट्स पर सेनिटाइजर डालकर आग लगा दी। पीड़िता की हालत गंभीर है और वह दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती है। गुरुग्राम की एक नामी यूनिवर्सिटी से बायोटेक की पढ़ाई करने वाली पीड़िता मूल रूप से त्रिपुरा की रहने वाली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित छात्रा ने बताया कि उसका लिव इन पार्टनर शिवम (19) लगातार तीन दिन तक उस पर जुल्म करता रहा। वह शादी का झांसा देकर उसके साथ जबरन उससे संबंध बनाता था। आरोपी उस पर शक करने लगा और उसके साथ मारपीट करने लगा। गत 16 फरवरी को आरोपी ने पीड़िता को बेरहमी से पीटा। आरोप है कि स्टील की बोतल से आरोपी ने उस-के सिर पर हमला किया। सिर को दीवार और फर्नीचर से टकराया। मटका उस-के सिर पर फोड़ दिया। उसके प्राइवेट पार्ट पर सेनिटाइजर डालकर आग लगा दी। आरोपी ने चाकू से उसके पैर में कई बार वार किए। उसे धमकी दी कि वह कभी मां नहीं बन सकेगी। पीड़िता ने

आरोप लगाया है कि आरोपी ने उसके न्यूड वीडियो भी बनाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित छात्रा ने बताया कि वह आरोपी शिवम के साथ सेक्टर-69 के एक पीजी में लिव-इन में रह रही थी। पुलिस की जांच में सामने आया कि छात्रा की शिवम से दोस्ती पिछले साल सितंबर में सोशल मीडिया ऐप के जरिए से हुई थी। उसके बाद दोनों ने मिलना शुरू कर दिया। दोनों की दोस्ती कुछ ही दिनों में प्यार में बदल गई और बात शादी तक पहुंच गई।

उसके बाद छात्रा और आरोपी करीब डेढ़ से दो महीने से पीजी में लिव-इन में एक साथ रह रहे थे। शादी को लेकर दोनों में कई बार कहासुनी होती थी। यह भी पता चला है कि आरोपी को छात्रा के चरित्र पर शक था। गुरुवार की रात दोनों के बीच कहासुनी हुई। देखते ही देखते आरोपी ने छात्रा पर लात और मुक्के बरसाने शुरू कर दिए। छात्रा के हाथ, मुंह और पैर पर काफी निशान मिले हैं। पीड़िता की मां ने संयोग से मारपीट के दौरान ही अपनी बेटी को फोन किया। फोन पर बेटी की चीखें सुनकर मां ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तो कमरा अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़ने पर पुलिस ने देखा कि छात्रा लहुलुहान हालत में पड़ी थी। आरोपी उसे पीट रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी शिवम को गिरफ्तार कर लिया है।

एक नजर

शंकरपुर में भीषण अग्निकांडः गरीब परिवार की पूरी गृहस्थी राख

सुभाष अग्रवाल। दैनिक बिहार पत्रिका

मधेपुरा। जिले के शंकरपुर प्रखंड क्षेत्र में शनिवार की रात एक दर्दनाक अग्निकांड में गरीब परिवार की पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। घटना शंकरपुर थाना क्षेत्र के गिद्दा पंचायत अंतर्गत कजरा कामत वार्ड संख्या 10 की है, जहां रात करीब 11 बजे अचानक भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी। उस समय गृहस्वामी मो. इस्लाम का परिवार गहरी नींद में था। फूस और लार-पतवार से बने घर में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा घर चपेट में आ गया। अग्निकांड में चार बकरियां और उनके बच्चे (नेमने) सहित करीब आधा दर्जन पालतू पशु झुलसकर मर गए। पशुओं की चीख-पुकार से पूरा इलाका दहल उठा। घर में रखा रूई धुनने वाला लाखों रुपये का मशीन, कपड़े, बर्तन, बिछावन, अनाज और अन्य जरूरी सामान पूरी तरह जल गया। परिवार की वर्षों की जमा पूंजी कुछ ही पलों में खत्म हो गई। आग की ऊंची लपटें देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बाल्टी, मोटर व अन्य संसाधनों से आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना पर अग्निशमन विभाग की टीम भी पहुंची, लेकिन तब तक घर पूरी तरह जल चुका था। गृहस्वामी मो. इस्लाम ने बताया कि हादसा शॉर्ट सर्किट से हुआ। ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया, पर तब तक सब कुछ समाप्त हो चुका था। इस अग्निकांड में लाखों रुपये की क्षति का अनुमान है। पीड़ित परिवार ने अंचलाधिकारी राहुल कुमार से शीघ्र सरकारी सहायता प्रदान करने की मांग की है, ताकि वे दोबारा अपने जीवन को पटरी पर ला सकें।

शिक्षा जगत को गहरा आघातः डॉ. माधवेंद्र झा का आकस्मिक निधन

दैनिक बिहार पत्रिका

मधेपुरा। कोसी क्षेत्र में शिक्षा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले यूभीके कॉलेज, कड़ामा-आलमनगर के संस्थापक प्रधानाचार्य तथा श्रीकृष्ण विश्वविद्यालय, उदाकिशुनगंज के संस्थापक डॉ. माधवेंद्र झा का रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। डॉ. झा के योगदान को याद करते हुए बीएनएमयू, मधेपुरा के पूर्व कुलपति एवं श्रीकृष्ण विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. ए.के. राय ने कहा कि वे एक विद्वान शिक्षक और कुशल प्रशासक थे। उनके असामयिक निधन से उन्हें व्यक्तिगत क्षति हुई है। श्रीकृष्ण विश्वविद्यालय के कुलपति एवं मधेपुरा महाविद्यालय के संस्थापक प्रधानाचार्य डॉ. अशोक कुमार ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने एक अभिन्न मित्र और मार्गदर्शक को खो दिया है। पूर्व कुलपति प्रो. ज्ञानंजय द्विवेदी ने कहा कि डॉ. झा ने बीएनएमयू के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुधांशु शेखर एवं परिसंपदा पदाधिकारी शंभू नारायण यादव ने उन्हें जिंदादिल और सहृदय व्यक्तित्व का धनी बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. झा हमेशा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहते थे। डॉ. माधवेंद्र झा का निधन कोसी क्षेत्र की शैक्षणिक और सामाजिक दुनिया के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

इंटर परीक्षा 2026ः उत्तरपुस्तिकाओं की जांच 27 फरवरी से शुरू

दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की इंटर परीक्षा 2026 की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए परीक्षकों की सूची जारी कर दी गई है। शहर के छह केंद्रों पर कॉपियों की जांच की जाएगी। जानकारी के अनुसार 27 फरवरी से 10 मार्च तक विषयवार उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य चलेगा। होली पर्व को देखते हुए 3 और 4 मार्च को मूल्यांकन कार्य स्थगित रहेगा। समिति ने 25 मार्च तक इंटर परीक्षा का परिणाम जारी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए मूल्यांकन प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

देवठा पंचायत में नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष विद्या देवी ने ली शपथ

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले के गोगरी प्रखंड अंतर्गत देवठा पंचायत के खरौवा गांव में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष विद्या देवी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण के उपरांत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों को अंगवस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गोगरी बीसीओ रविंद्र कुमार, भागलपुर सनौहला के बीसीओ कुमोद कुमार, बन्नी पैक्स अध्यक्ष नरेश कुमार, झिटकिया पैक्स अध्यक्ष राजीव कुमार मंडल, व्यापार अध्यक्ष रघुवंश यादव, कम पैक्स अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, देवठा के सरपंच नंद किशोर मिस्त्री, सिकंदर सिंह एवं पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अपने संबोधन में पैक्स अध्यक्ष प्रतिनिधि गजेंद्र सिंह निषाद ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास और उम्मीद के साथ विद्या देवी को अपार मतों से विजयी बनाया है, उस भरोसे पर खरा उतरने के लिए वे दिन-रात कार्य करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि देवठा पंचायत के किसानों को खेत जुताई से लेकर फसल कटाई तक आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तथा सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाया जाएगा। वहीं शपथ ग्रहण के बाद बीसीओ रविंद्र कुमार ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी किसान सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे, इसके लिए सभी पैक्स अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाएं और योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें। कार्यक्रम का समापन उत्साह और पंचायत विकास के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष विद्या देवी को शुभकामनाएं देते हुए देवठा पंचायत के समग्र विकास की अपेक्षा जताई।

पुरैनी में 20 लीटर देसी महुआ शराब बरामद, कारोबारी गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका

मधेपुरा। जिले के पुरैनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष चंद्रजीत प्रभाकर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे गणेशपुर पंचायत वार्ड संख्या चार निवासी जय जय कुमार (30) के घर छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान उसके घर के पीछे से 20 लीटर देसी महुआ शराब बरामद की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से अवैध शराब कारोबार में संलिप्त था और घर पर ही पॉलिथीन के पाउच में शराब पैक कर बिक्री करता था। रविवार को कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

नगर निगम के बैठक में शहर के विकास को लेकर कई योजनाओं पर सदस्यों ने मुहर लगायी

शहर के स्लम क्षेत्र बनेगा माडल सफाई व्यवस्था को और किया जाएगा सुदृढ़

दैनिक बिहार पत्रिका

गयाजी। गया नगर निगम सभागार में शनिवार को मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई है। जबकि बैठक का संचालन सशक्त स्थायी समिति के सदस्य अखौरी ओंकार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव ने किया। आयोजित बोर्ड की बैठक में शहर के विकास को लेकर कई योजनाओं पर सदस्यों ने मुहर लगायी है। मेयर ने कहा कि शहर के सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए नगर निगम लगातार कार्य रहा है। इस कार्ययोजना के तरह शहर में पांच हजार एलईडी लाइट लगाने का काम किया है। जिससे शहर रोशनी से जगमग करे। प्रत्येक वार्ड में और जरूरत स्थानों पर सौ-सौ एलईडी लाइट लगेगा। इसके साथ ही शहर में स्थित पोल से होर्डिंग, बैनर और पोस्टर भी हटाने का काम नगर निगम जल्द ही करेगा। क्योंकि बैनर और पोस्टर रहने से पोल पर लगे तिरंगा लाइट हमेशा खराब हो रहा है। इसके साथ ही पोल से केवल तार को हटाने का काम किया जाएगा। इसके लिए पहले पोल पर हेडिंग, बैनर, पोस्टर एवं केवल तार लटकाने वाले कंपनियों को नोटिस किया जाएगा। अगर नोटिस के बाद भी उक्त कार्य नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निविदा के बाद कई योजना का काम शुरू नहीं निविदा के बाद भी एक वर्षो से कई योजनाओं का काम शुरू नहीं हुआ है। वार्ड संख्या दस पार्षद गोपाल कुमार ने कहा कि निविदा के बाद भी ठेकेदार द्वारा कई योजनाओं को काम शुरू नहीं हुआ है। वहीं पार्षद जया देवी ने सदन में कहा कि मेरा वार्ड में निविदा के बाद कार्य ठेकेदार द्वारा कार्य कई माह से प्रारंभ नहीं किया जाएगा। इस पर मोहन

श्रीवास्तव ने कहा कि सभी ठेकेदार को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगा। साथ ही ठेकेदार को काली सूची में डाल दिया जाएगा। जिससे नगर निगम में काम नहीं कर सके। सरकार के नीति के पार्षद करेंगे विरोध सदन में मोहन श्रीवास्तव ने सदन में कहा कि सरकार ने बहुत जल्द ही एक नियम लगाने वाला है। नियम के नगर निगम क्षेत्र में कोई भी विकास का काम विभागीय नहीं होगा। सभी काम निविदा होगी। इसपर सदस्यों ने विरोध किया है। सदस्यों ने कहा कि इससे पहले विधायक मद और सांसद मद सरकार के समाप्त होनी चाहिए। उसके बाद नगर निगम क्षेत्र में यह कार्य होना चाहिए। वार्ड पार्षद ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि इसका पूरी तरह से सभी पार्षद विरोध करेंगे। सफाई व्यवस्था को और किया जाएगा सुदृढ़ शहर में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए आबादी के अनुसार सफाईकर्मियों की संख्या बढ़ने पर निर्णय लिया गया। प्रत्येक वार्ड में तीन, चार और छह सफाईकर्मियों को बढ़ाने का काम किया जाएगा। इसके साथ खराब पड़े सभी ठेले मरम्मत किया जाएगा। वहीं शहर में प्रदूषण रोकने के लिए गांधी मैदान में प्रदूषण मुक्त स्मॉक टावर लगाने पर मुहर लगी है। शहर के स्लम क्षेत्र बनेगा माडल शहर के स्लम क्षेत्रों को माडल बनाने के लिए बैठक में निर्णय लिया गया है*। दो बड़े स्लम एरिया को मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अलावा शहर के सभी वार्ड को नाली एवं सड़क निर्माण को लेकर प्रत्येक वार्ड को 30 से 50 लाख रुपये की राशि दी जाएगी। जिससे वार्ड के साथ स्लम क्षेत्रों का भी विकास किया जाएगा। जिससे शहरवासियों अधिक से अधिक नगर निगम सुविधाएं प्रदान किया जा सके। सभी वार्ड में खुलेंगे पुस्तकालय नगर निगम के आयोजित बोर्ड की बैठक में सशक्त स्थाई समिति के सदस्य मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि नगर निगम के सभी वार्डों में पुस्तकालय बनाने की योजना तैयार की गई है। फिलहाल वार्ड के सरकारी विद्यालय के एक रूम आधुनिक रूप से पुस्तकालय बनाया जाएगा। इस प्रस्ताव पर सभी सदस्यों ने मुहर लगा दी है।इस बैठक में बैठक में डिप्टी मेयर चिंता देवी, नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया, पार्षद डिम्पल कुमार, जयप्रकाश सिंह, दीपक कुमार चंद्रवंशी, लाछो देवी, जया देवी, मुन्नी देवी, रणधीर कुमार गौतम, मो. कलाम, अंजली कुमारी आदि मौजूद थे।

मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखंड के छात्र-छात्राएं शैक्षिक परिभ्रमण पर राजगीर, नालंदा और पावापुरी रवाना

मुख्यमंत्री परिभ्रमण योजना के तहत बच्चों ने जानी बिहार की ऐतिहासिक विरासत

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। मुख्यमंत्री बिहार परिभ्रमण योजना के अंतर्गत मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखंड के छात्र-छात्राओं को शनिवार को ऐतिहासिक एवं शैक्षणिक भ्रमण पर नालंदा, राजगीर और पावापुरी ले जाया गया। परिभ्रमण दल को प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान एवं शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान ने बताया कि भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को बिहार की गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत, संस्कृति और शिक्षा परंपरा से अवगत कराना है। भ्रमण के दौरान बच्चों ने नालंदा विश्वविद्यालय अवशेष का अवलोकन किया और जाना कि प्राचीन काल में यह विश्व स्तरीय शिक्षा का केंद्र था। राजगीर में विद्यार्थियों ने विश्व शांति स्तूप

राजगीर, वेणुवन, जापानी मंदिर, महर्षि मेही पुण्य धाम मंदिर तथा गर्म जल कुंडों का भ्रमण कर उनके ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को समझा। वहीं पावापुरी स्थित पावापुरी जल मंदिर का भी दर्शन किया। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे उन्हें पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ प्रत्यक्ष अनुभव भी मिलता है, जिससे ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और भौगोलिक समझ मजबूत होती है। शिक्षक निरंजन कुमार ने बताया कि यात्रा के दौरान बच्चे काफी उत्साहित रहे। छात्र उत्कर्ष कुमार और प्रीतम कुमार ने कहा कि पुस्तकों में पढ़े गए ऐतिहासिक स्थलों को प्रत्यक्ष देखना उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव रहा। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान, शिक्षक सिद्धार्थ कुमार, निरंजन कुमार, रामविनोद साह, शेखर दास सहित चार दर्जन छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सैमसंग का बड़ा ऐलानः एआई स्मार्टफोन प्री-रिजर्व करने वालों को मिलेगा फ्री मेमोरी अपग्रेड

दैनिक बिहार पत्रिका

गुरुग्राम, फरवरी 2026। भारत की अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी Samsung India ने अपने आगामी एआई स्मार्टफोन को लेकर बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने बताया कि जो ग्राहक नए गैलेक्सी एस सीरीज डिवाइस को प्री-रिजर्व करेंगे, उन्हें 256GB से 512GB तक का मेमोरी अपग्रेड मुफ्त (कॉम्प्लिमेंट्री) दिया जाएगा। यह नया एआई स्मार्टफोन 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया में आयोजित होने वाले Galaxy Unpacked इवेंट में पेश किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, ग्राहक 25 फरवरी तक 999 रुपये की रिफंडेबल टोकन राशि जमा कर डिवाइस को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। प्री-रिजर्वेशन की सुविधा Samsung.com, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स के साथ-साथ अेंœ्ल्ल कत्ल्र्रा और Flipkart पर भी उपलब्ध है। स्टोरेज अपग्रेड के साथ अतिरिक्त लाभ भी सिर्फ मेमोरी अपग्रेड ही नहीं, बल्कि प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को नया गैलेक्सी एस सीरीज डिवाइस खरीदने पर 2,699 रुपये तक के अतिरिक्त लाभ भी मिलेंगे। कंपनी का कहना है कि नई गैलेक्सी एस सीरीज को रोजमर्रा के कामकाज को आसान बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और डिवाइस हाथ में लेते ही ह्यगैलेक्सी एआईह्ण का सहज अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है। सैमसंग का यह कदम भारतीय बाजार में एआई स्मार्टफोन सेगमेंट को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

पीड़ितों की पुकार पर रामचंदा पहुंचे सदर विधायक बबलू मंडल

ब्यूरो रिपोर्ट, दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। नगर परिषद वार्ड संख्या 05 के रामचंदा स्थित बांध के निकट सरकारी जमीन पर विद्युत विभाग द्वारा ग्रिड पावर स्टेशन का निर्माण कार्य जारी है। इस निर्माण को लेकर स्थानीय भूधारकों ने निकास मार्ग बाधित होने की शिकायत की थी, जिसके बाद मामला विवाद का रूप ले चुका था। पीड़ितों की शिकायत पर सदर विधायक बबलू मंडल रामचंदा पहुंचे और स्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों, महिलाओं एवं पुरुषों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इसके बाद विधायक शुभ लगन रिसॉर्ट पहुंचे, जहां वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मोहन राय से विस्तृत चर्चा की। मोहन राय ने निर्माण स्थल का नक्शा दिखाकर उत्पन्न समस्या से अवगत कराया। इस दौरान बिहारी पॉवर ऑफ इंडिया के चेयरमैन डॉ. अरविंद वर्मा, विनय पटेल सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि और समाजसेवी भी

मौजूद थे। विधायक बबलू मंडल ने आश्वासन दिया कि वे इस मामले को जिलाधिकारी के समक्ष रखेंगे और मौजूदा स्थिति से अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सरकार और प्रशासन सख्ती से कार्रवाई करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अतिक्रमण मुक्त खगड़िया अभियान के तहत सरकारी जमीन का जनहित में सदुपयोग किया जा रहा है और इसमें आम जनता का सहयोग आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि निर्माण स्थल पर कार्य से संबंधित कोई वर्क डिस्प्ले बोर्ड आम जनता के लिए प्रदर्शित नहीं किया गया है, जिस पर भी स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई है। मौके पर डॉ. अरविंद वर्मा, विनय पटेल, विनोद उर्फ गुगु यादव, त्रिभुवन केडिया, मोहन राय, अनुज सौरभ, रोहित ठाकुर तथा तुरंती यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

एआई से निखरेगी खेल प्रतिभाः सीयूएसबी के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलीं खेल मंत्री श्रेयसी सिंह

धीरज गुप्ता, दैनिक बिहार पत्रिका

गया। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा ह्लखेल विज्ञान, स्वास्थ्य सेवा एवं नैतिकता में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)ह्व विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। सम्मेलन में देशभर से 82 विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं तथा कुल 110 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह की उपस्थिति में सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन किया। एआई से बदलेगा खेल का भविष्य अपने संबोधन में श्रेयसी सिंह ने कहा कि एआई आधारित तकनीक प्रतिभा पहचान, प्रदर्शन मूल्यांकन और चोट प्रबंधन प्रणाली को और अधिक प्रभावी बना सकती है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और वैज्ञानिक अनुसंधान, डिजिटल नवाचार तथा नैतिक जिम्मेदारी के समन्वय से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार किया जा सकता है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता बन चुकी है। यह खेल प्रदर्शन विश्लेषण, खिलाड़ियों की स्वास्थ्य निगरानी और शोध पद्धतियों में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। शोध, विमर्श और तकनीकी सत्र होंगे आयोजित सम्मेलन के दौरान तकनीकी सत्र, शोध पत्र प्रस्तुतियां, पैनल चर्चा और विचार-विमर्श आयोजित किए जाएंगे। विशिष्ट अतिथि प्रो. सुषमा घिल्डियाल (बीएचयू, वाराणसी) ने एआई की अंतर्विषयी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्तव्य प्रो. राजीव चौधरी (पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर) द्वारा डेटाबेस से निर्णय तकः खेल एवं स्वास्थ्य विज्ञान में एआई-सक्षम बिब्लियोमेट्री और मेटा-विश्लेषण विषय पर दिया गया।

समारोह के दौरान सम्मेलन स्मारिका का विमोचन भी किया गया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रविकांत, डीन शिक्षा संकाय एवं सम्मेलन निदेशक द्वारा प्रस्तुत किया गया। सीयूएसबी के जनसंपर्क पदाधिकारी मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य खेल विज्ञान अनुसंधान, स्वास्थ्य नवाचार और आधुनिक तकनीक आधारित खेल पारिस्थितिकी तंत्र में एआई के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देना है।

डाक टिकट केवल डाक संप्रेषण का साधन नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा व गौरवशाली इतिहास :डॉ प्रेम

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया जी।डाक टिकट संग्रहण (फिलेटली) के माध्यम से समाज में रचनात्मकता, ज्ञानवर्धन एवं सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित भव्य फिलेटली प्रदर्शनी बोधिपेक्स का समापन हुआ है।हरिहर सेमिनरी स्कूल के प्रेक्षागृह में इस आयोजन का सफल संचालन गया जी मंडल के वरिष्ठ डाक अधीक्षक अंशुमान के कुशल मार्गदर्शन में हुआ। इस कार्यक्रम के दूसरे दिन भी विद्यार्थियों, युवा संग्रहकताओं, बुद्धिजीवियों तथा आमजन की उल्लेखनीय सहभागिता रही है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष माननीय प्रेम कुमार तथा घोषी क्षेत्र के विधायक ऋतुराज कुमार, आई आई आई एम, बोधगया के निदेशक विनीता सहाय, ओ टी ए, गया के ब्रिगेडियर राजीव शर्मा एवं कर्नल दीपक कुमार भी उपस्थित रहे हैं । आई आई एम, बोधगया के ऊपर एक विशेष आवरण भी जारी किया गया है ।सभी गणमान्य अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर डाक टिकट संग्रहण को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक गतिविधि बताया है। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि डाक टिकट केवल डाक संप्रेषण का साधन भर नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, गौरवशाली इतिहास, महान विभूतियों तथा महत्वपूर्ण राष्ट्रीय घटनाओं के जीवंत दर्पण हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे फिलेटली को

अपनाकर ज्ञानार्जन, सृजनात्मक सोच एवं राष्ट्र की विरासत से जुड़ने का माध्यम बनाएं। प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम, भारतीय कला एवं संस्कृति, वन्यजीवन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा आध्यात्मिक धरोहर जैसे विविध विषयों पर आधारित दुर्लभ, आकर्षक एवं थीमैटिक डाक टिकट संग्रहों तथा विशेष आवरणों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया, जिसने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया है। इस अवसर पर आईआईएम बोधगया पर आधारित एक विशेष आवरण का लोकार्पण भी किया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सुमधुर संगीत, आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों एवं अन्य सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। बच्चों की जीवंत एवं प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष रूप से ऊजार्वान एवं यादगार बना दिया। इसके अतिरिक्त ह्लसिट एंड ड्रॉह्व प्रतियोगिता में भी बाल प्रतिभाओं ने अपनी सृजनात्मक क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस कार्यक्रम के दौरान फिलेटली पर आधारित कार्यशालाएं, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं एवं नए डाक टिकट खातों के पंजीकरण की विशेष व्यवस्था की गई, जिससे युवाओं में इस विधा के प्रति उत्साह एवं जागरूकता का संचार हुआ।

एक नजर

फारबिसगंज में श्री श्याम महिला परिवार की भव्य निशान शोभायात्रा

दैनिक बिहार पत्रिका अररिया

अररिया जिले के फारबिसगंज में श्री श्याम महिला परिवार की ओर से वार्षिकोत्सव के अवसर पर रविवार को भव्य निशान शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ श्री लक्ष्मी नारायण मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी से हुआ, जो शहर के विभिन्न मार्गों का परिक्रमा करते हुए पुनः मंदिर परिसर में आकर संपन्न हुई। इस अवसर पर ठाकुरबाड़ी परिसर स्थित श्री श्याम मंदिर में बाबा श्याम का आकर्षक दरबार सजाया गया। गाजे-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा में महिलाएं श्याम बाबा का निशान ध्वज थामे हुए जयकारा लगाती चल रही थीं। पूरे मार्ग में ह्लजय श्री श्यामह्व के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा शोभायात्रा के उपरांत मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने सामूहिक भजन-कीर्तन प्रस्तुत किया। बाबा श्याम पर पुष्प और इत्र की वर्षा की गई, वहीं भक्तों पर भी पुष्पवर्षा कर आशीर्वाद की कामना की गई। महोत्सव के मुख्य यजमान बादल जिंदल एवं सुमन जिंदल ने पंडित अंगद दुबे, अभिषेक दुबे, अनिल पांडेय एवं देवाशीष पांडे के नेतृत्व में विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर श्री श्याम परिवार से जुड़े बड़ी संख्या में धर्मावलंबी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भागलपुर में बिस्कुट फैक्ट्री में भीषण आग, डीजल स्टॉक से भड़की लपटें

विकास शर्मा, दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। जिले के मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र स्थित बाल्टी कारखाना के समीप एक बिस्कुट फैक्ट्री में रविवार को भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए। प्राथमिक जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में डीजल मशीन का उपयोग किया जाता था और वहां काफी मात्रा में डीजल का भंडारण किया गया था। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट से आग की शुरूआत हुई, जिसके बाद डीजल ने आग को और तेज कर दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और फैक्ट्री परिसर धू-धू कर जलने लगा। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक फैक्ट्री का अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन भारी आर्थिक नुकसान की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटा है और आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बीपी मंडल पुल कांडः चौथे दिन पति का भी शव बरामद

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया (बेलदौर)

बीपी मंडल पुल से कूदकर आत्महत्या करने के मामले में चौथे दिन रविवार को लापता पति 27 वर्षीय रूपेश कुमार का शव भी पुलिस ने बरामद कर लिया। शव मिलने की सूचना पर बेलदौर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों के सहयोग से पहचान कर पंचनामा की प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए खगड़िया सदर अस्पताल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार रूपेश का शव इतमादी पंचायत के बारूण गांव के निकट कोसी नदी के किनारे मिला। रविवार की सुबह मछली पकड़ने गए स्थानीय मछुआरों ने नदी किनारे शव देखा और इसकी सूचना बेलदौर थानाध्यक्ष तथा परिजनों को दी। उल्लेखनीय है कि गत 19 फरवरी की शाम तेलिहार पंचायत के वार्ड नंबर सात निवासी रूपेश कुमार और उसकी पत्नी मंचन देवी ने आपसी विवाद के बाद बीपी मंडल पुल से कोसी नदी में छलांग लगा दी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहले पत्नी ने नदी में छलांग लगाई, जिसे बचाने के प्रयास में रूपेश भी नदी में कूद गया और दोनों तेज धारा में लापता हो गए थे। घटना के बाद एसडीआरएफ की टीम ने सर्च अभियान चलाया। तीसरे दिन शनिवार को पत्नी मंचन कुमारी का शव घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर पूरब डुमरी दुर्गा मंदिर के समीप बरामद किया गया था। वहीं, चौथे दिन रूपेश का शव घटनास्थल से करीब 11 किलोमीटर पूरब-दक्षिण बारूण गांव के समीप मिला। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है। पुलिस मामले की आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुटी है।

गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल में सिविल सर्जन का औचक निरीक्षण, गंदगी पर जताई कड़ी नाराजगी

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया के सिविल सर्जन रामेंद्र कुमार ने रविवार दोपहर करीब 12 बजे गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। अचानक हुए निरीक्षण से अस्पताल कर्मियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंद्र प्रकाश भी मौजूद रहे। सिविल सर्जन ने अस्पताल के विभिन्न वार्ड, ओपीडी से लेकर इमरजेंसी कक्ष तक का गहन निरीक्षण किया और साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। सीएस ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना तथा भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों और मुख्य कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सेवा में लापरवाही नहीं बरतने की चेतावनी दी। निरीक्षण के क्रम में अस्पताल के दवा स्टॉक की भी जांच की गई। शौचालय में गंदगी देखकर सिविल सर्जन ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने अस्पताल परिसर में पुराने भवन को तोड़ने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा नए क्रिटिकल भवन के निर्माण कार्य को शीघ्र आगे बढ़ाने को लेकर भी जानकारी ली। प्रभारी डॉ. चंद्र प्रकाश को सख्त निर्देश देते हुए कहा गया कि अस्पताल में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मोहिउद्दीन नगर स्टेशन पर माकपा का धरना, ट्रेनों के ठहराव व यात्री सुविधाओं को लेकर सौंपा 11 सूत्री मांगपत्र।

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर।भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) लोकल कमिटी, मोहिउद्दीन नगर के बैनर तले रविवार को रेल यात्री सुविधाओं के विस्तार और विभिन्न एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर मोहिउद्दीन नगर रेलवे स्टेशन पर आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व माकपा बिहार राज्य कमिटी सदस्य कॉमरेड मनोज प्रसाद सुनील ने किया। सैकड़ों कार्यकताओं ने जुलूस की स्टेशन परिसर पहुंचकर स्टेशन अधीक्षक के समक्ष घंटों धरना दिया। धरना स्थल पर कॉमरेड अजय कुमार की अध्यक्षता तथा माकपा अंचल सचिव कॉमरेड रामबाबू पासवान के संचालन में प्रतिरोध सभा आयोजित की गई, जिसमें वक्ताओं ने रेलवे प्रशासन पर मोहिउद्दीन नगर स्टेशन की उपेक्षा का आरोप लगाया। सभा को संबोधित करते हुए कॉमरेड मनोज प्रसाद सुनील ने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी मोहिउद्दीन नगर स्टेशन का समुचित विकास नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त रेलवे भूमि उपलब्ध होने के बावजूद स्टेशन का विस्तार और आधुनिकीकरण नहीं किया गया। जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव के समय वादे किए जाते हैं, लेकिन स्टेशन के विकास के लिए ठोस पहल नहीं होती। माकपा नेताओं ने रेल प्रशासन, सोनपुर मंडल से मांग की कि मोहिउद्दीन नगर स्टेशन पर यात्रियों की आवश्यकता को देखते हुए जनहित एक्सप्रेस, सुपौलझपुणे एक्सप्रेस, गोमती एक्सप्रेस तथा गरीब नवाज एक्सप्रेस का ठहराव सुनिश्चित किया जाए। साथ ही राजाजन हॉल्ट पर सभी पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव, टांडा स्थित पुरानी गुमटी नंबर 15 के निकट आवागमन के लिए अंडरपास निर्माण समेत कुल 11 सूत्री मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की गई। नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा। वक्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए रेलवे के निजीकरण का विरोध किया। उनका आरोप था कि रेलवे में लाखों पदों को समाप्त कर बेरोजगार युवाओं के साथ अन्याय किया गया है और सार्वजनिक संपत्ति को निजी हाथों में सौंपा जा रहा है।

धरना कार्यक्रम को कॉमरेड रामबाबू पासवान, अरुण कुमार यादव, रामकरण राय, शत्रुघ्न पासवान, प्रो. अनिल कुमार राय, मोहम्मद आलमदार, सुबोध ठाकुर, पूर्व मुखिया कृष्णदेव पासवान, भुनेश्वर पासवान, अमित कुमार, रामनरेश राय, इंद्रजीत ठाकुर, प्रमिला देवी, मुनिया देवी, मुकेश रजक सहित कई अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। राजद व्यवसायिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष चंदन साह ने भी समर्थन जताते हुए कहा कि स्टेशन परिसर में असामाजिक तत्वों की सक्रियता, दलालों की भूमिका और रात में यात्रियों की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने रेल प्रशासन से इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम के अंत में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने स्टेशन अधीक्षक से मुलाकात कर विस्तृत वार्ता की और 11 सूत्री मांगपत्र सौंपा।

मुख्यमंत्री परिभ्रमण योजना के तहत 41 छात्राएं वैशाली भ्रमण पर रवाना।

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर।मोहिउद्दीन नगर नगर बाजार स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय, मोहिउद्दीन नगर कन्या की 41 छात्र छात्राओं को मुख्यमंत्री परिभ्रमण योजना के अंतर्गत रविवार को ऐतिहासिक नगरी वैशाली के शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना किया गया। छात्र छात्राओं से भरी बस को मोहिउद्दीन नगर दक्षिण पंचायत के मुखिया सुरेंद्र राय एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक राकेश कुमार पोद्दार ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर मुखिया सुरेंद्र राय ने कहा कि मुख्यमंत्री परिभ्रमण योजना का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को पाठ्यपुस्तक की पढ़ाई के साथ-साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहरों की प्रत्यक्ष जानकारी देना है। वैशाली जैसे ऐतिहासिक स्थल का भ्रमण छात्र छात्राओं के ज्ञानवर्धन और उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रधानाध्यापक राकेश कुमार पोद्दार ने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ संस्कृतिक एवं ऐतिहासिक ज्ञान देना आवश्यक है, ताकि उनका बौद्धिक और सामाजिक विकास संतुलित रूप से हो सके। भ्रमण के दौरान छात्राओं की सुरक्षा एवं मार्गदर्शन की जिम्मेदारी विद्यालय के सहायक शिक्षक महर्षि आशीष को सौंपी गई है।

विद्यालय प्रशासन की ओर से यात्रा को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की गई थीं। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी रुस्तम अली सहित कई अभिभावक एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने छात्राओं को सुरक्षित, सुखद एवं ज्ञानवर्धक यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

गया में बोधि सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन, अब शहर में ही मिलेंगी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया शहर को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की बड़ी सौगात मिली है। मगध कॉलोनी, रोड नंबर 3 स्थित बोधि सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन बिहार विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गया में इस स्तर के सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल की स्थापना से स्थानीय लोगों को बेहतर और सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी और अब गंभीर इलाज के लिए बड़े शहरों पर निर्भरता कम होगी। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि यहां सोमवार से शनिवार तक सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक ओपीडी सेवा निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। साथ ही सरकारी दरों पर जांच सुविधा भी प्रदान की जाएगी, जिसमें सीटी स्कैन 1100 रुपये, यूएसजी 800 रुपये और एक्स-रे 500 रुपये में उपलब्ध होगा। आयुष्मान कार्ड धारकों को भी यहां उपचार की सुविधा मिलेगी। करुणा, देखभाल और प्रतिबद्धता की भावना के साथ स्थापित यह अस्पताल मल्टीस्पेशियलिटी सेवाओं, आधुनिक उपकरणों, इमरजेंसी और क्रिटिकल केयर सुविधाओं से सुसज्जित है। समारोह में बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन, उप जिलाधिकारी परितोष कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अस्पताल के निदेशक डॉ. रविंद्र कुमार, डॉ. उमाशंकर कुमार, डॉ. दीपक कुमार और ऋषि कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अस्पताल की अत्याधुनिक सुविधाओं की जानकारी दी। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति ने इस उद्घाटन समारोह को और भी गरिमामय बना दिया।

15 दिन बाद भी ठंडी पड़ी कार्रवाई, गोगरी में फिर पनप रहा अतिक्रमण?

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। गोगरी नगरपरिषद क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर फिर से चचाओं का बाजार गर्म हो गया है। अंचलाधिकारी दीपक कुमार द्वारा 6 फरवरी के बाद दोबारा कार्रवाई शुरू करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी आगे कोई ठोस कदम नजर नहीं आ रहा है। पूर्व में शिव मंदिर से पुल गली तक बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की गई थी। उस समय प्रशासन ने स्पष्ट किया था कि अभियान चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगा और नाले व सार्वजनिक भूमि पर किए गए सभी अतिक्रमणों पर समान रूप से कार्रवाई होगी। फिर लौट आया अतिक्रमण? अब स्थिति यह है कि जिन स्थानों पर कार्रवाई हुई थी, वहां भी कुछ लोग दोबारा बांस गाड़कर, एल्वेस्टर लगाकर और अस्थायी ढांचा खड़ा कर दुकानें सजाने लगे हैं। इससे लोगों के बीच यह सवाल उठने लगा है कि क्या प्रशासन की सख्ती केवल कुछ दिनों की थी? स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगरपरिषद क्षेत्र के कई हिस्सों में नाले और सार्वजनिक भूमि पर स्थायी व अस्थायी निर्माण अब भी मौजूद हैं। यदि अभियान समान रूप से चलना था तो अन्य मोहल्लों में कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या एक मोहल्ले को ही बनाया गया निशाना? जनता के बीच चर्चा है कि क्या अतिक्रमण हटाओ अभियान सिर्फ एक विशेष इलाके तक सीमित था? यदि अन्य स्थानों पर भी समान स्थिति है तो वहां बुलडोजर क्यों नहीं पहुंचा? प्रशासन की चुप्पी से असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन पुनः सख्ती दिखाकर पूरे नगरपरिषद क्षेत्र में समान कार्रवाई करेगा या फिर अतिक्रमण दोबारा जड़ें जमा लेगा? गोगरी की जनता अब जवाब चाहती है—क्या यह अभियान स्थायी समाधान बनेगा या फिर कागजी कार्रवाई तक सिमट कर रह जाएगा?

लगार पंचायत के विशोनी में भव्य कलश यात्रा, हर-हर महादेव और जय श्रीराम से गूंजा गांव

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया जिले के परबत्ता प्रखंड अंतर्गत लगार पंचायत के विशोनी गांव में रविवार को शिव परिवार और राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। नव निर्मित मंदिर में पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ विधिवत किया गया। श्रद्धालुओं ने अनुवानी गंगा घाट से पवित्र जल भरकर शोभायात्रा प्रारंभ की। कुंवारी कन्याओं और महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर गाजे-बाजे और जयघोष के साथ पूरे गांव का भ्रमण किया। इस दौरान पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव और जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। मंदिर परिसर पहुंचने पर वैदिक परंपराओं के अनुसार कलश स्थापना की गई। पंडित गंगाधर शास्त्री और आचार्य ज्ञानप्रकाश मिश्र के सान्निध्य में मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान संपन्न हुआ। अनुष्ठान के उपरांत बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन समिति के अनुसार 23 से 25 फरवरी तक वेदी पूजन, विशेष हवन और मंत्रोच्चार के साथ पूजन-पाठ जारी रहेगा, जबकि मुख्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह 26 फरवरी को विधिवत संपन्न होगा। पांच दिवसीय आयोजन को लेकर गांव में उत्साह का माहौल है और मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया है, जिसमें अंग क्षेत्र के प्रसिद्ध भजन गायक नरेंद्र झा उर्फ मंटू महंत अपनी प्रस्तुति देंगे। ग्रामीणों का कहना है कि इस आयोजन से गांव में धार्मिक जागृति के साथ-साथ सामाजिक एकता भी सुदृढ़ हुई है।

सीपीआईएम जिला कमिटी की बैठक संपन्न, 24 मार्च की दिल्ली रैली की तैयारी तेज

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया में सीपीआईएम जिला कमिटी की बैठक रविवार को जिला कार्यालय में राज्य सचिवमंडल सदस्य संजय कुमार की उपस्थिति तथा शिवजी महतो की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में 12 फरवरी 2026 को आयोजित आम हड़ताल में साथियों की सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्य रिपोर्ट के दौरान नवीकरण कार्य के एक हिस्से के पूरा होने की जानकारी दी गई, लेकिन ब्रांच बैठकों की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की गई। निर्णय लिया गया कि हर हाल में 10 मार्च 2026 तक सभी डीसीएम ब्रांच बैठकों का कार्य पूरा करें। साथ ही 28 मार्च 2026 तक सभी लोकल कमिटियों (एलसी) द्वारा पूरा हिसाब, अधकट्टी और चेकअप चार्ट एक साथ जिला केंद्र में जमा करने पर ही उसे स्वीकार किया जाएगा। बैठक में 24 मार्च 2026 को प्रस्तावित दिल्ली रैली की सफलता के लिए जिला कमिटी द्वारा बनाई गई योजना को गंभीरता से लागू करने पर बल दिया गया।

तय किया गया कि सभी लोकल कमिटियां अपने-अपने कोटे के अनुसार कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करें। दिल्ली रैली के लिए खगड़िया का जत्था 22 मार्च 2026 को राज्यरानी एक्सप्रेस से प्रस्थान करेगा। सभी एलसी सचिवों एवं डीसीएम को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से जत्था लेकर हर हाल में मानसी या खगड़िया स्टेशन से ट्रेन पकड़ने की गारंटी करें। बैठक में जिला सचिव सुरेन्द्र प्रसाद, सुरेन्द्र पासवान, रामविनय सिंह, कुंदन मेहता, नवीन चौधरी, नीतू देवी, ओमप्रकाश सिंह, सच्चिदानंद सिंह, भीम साह, अमीर कुमार, तेजनारायण गुप्ता, राजगीर सिंह, अमर कुमार, सुरेन्द्र सिंह, मिथलेश केशरी, मुकेश कुमार, अजहर अंजुम, संजीव कुमार, मंजीत कुमार, मंजू देवी, माला देवी, अनिल वर्मा, श्रवण साह और अमरेन्द्र कुमार सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

जदयू के गोगरी प्रखंड अध्यक्ष पद पर मायाराम मंडल निर्विरोध निर्वाचित

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया जिले में जनता दल (यूनाइटेड) के गोगरी प्रखंड अध्यक्ष पद पर मायाराम मंडल निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। चुनाव प्रक्रिया रविवार को जमालपुर कुर्मी टोला स्थित सामुदायिक भवन में शांतिपूर्ण माहौल में शाम चार बजे तक संपन्न हुई। निर्धारित समय के भीतर मायाराम मंडल के साथ डॉ. कौशल कुमार रवि और अशोक पंत ने भी नामांकन दाखिल किया था। हालांकि बाद में आपसी सहमति बनने पर डॉ. रवि और अशोक पंत ने अपना नामांकन वापस ले लिया, जिससे मायाराम मंडल एकमात्र प्रत्याशी रह गए। निवार्ची पदाधिकारी सुनील चौरसिया और पर्यवेक्षक दीपक सिन्हा ने मायाराम मंडल को निर्विरोध प्रखंड अध्यक्ष घोषित किया। इस अवसर पर बबलू कुमार मंडल सहित कई पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह लगातार दूसरी बार है जब मायाराम मंडल निर्विरोध चुने गए हैं। इस अवसर पर पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने उन्हें बधाई दी और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी की नीतियों को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाएगा।

(चिंतन-मनन)

निरोगी काया भी हो ध्येय

सच्चे अर्थों में जीवन उतने ही समय का माना जाता है, जितना स्वस्थतापूर्वक जिया जा सके। कुछ अपवादों को छोड़कर अस्वस्थता अपना निज का उपार्जन है। सृष्टि के सभी प्राणी प्रायः जीवन भर निरोग रहते हैं। मनुष्य की उच्छृंखल आदत ही उसे बीमार बनाती है। जीभ का चटोरापन अतिशय मात्रा में अखाद्य खाने के लिए बाधित करता रहता है। जितना भार उठ नहीं सकता, उतना लादने पर किसी का भी कचूमर निकल सकता है। बिना पचा सड़ता है और सड़न के रक्त प्रवाह में मिल जाने से जहां भी अवसर मिलता है, रोग का लक्षण उभर पड़ता है। अस्वच्छता, पूरी नींद न लेना, कड़े परिश्रम से जी चुराना, नशेबाजी जैसी आदत स्वास्थ्य को जर्जर बनाने का कारण बनते हैं। खुली हवा और रोशनी से बचना, घुटन भरे वातावरण में रहना भी बीमारी का बड़ा कारण है। भय या आक्रोश जैसे उतार-चढ़ाव भी मनोविकार बढ़ाते और व्यक्ति को सनकी, कमजोर व बीमार बनाते हैं।

शरीर को उचित विश्राम देकर हर बार तरोताजा बना लेने के लिए कहीं से कुछ लेने नहीं जाना पड़ता। यह सब असंयम एवं असंतुलन वृत्ति के कारण नहीं सध पाता और हम सुर दुर्लभ देह पाकर भी नर्क जैसी यातनाग्रस्त स्थिति में पड़े रहते हैं। शारीरिक आरोग्य के मुख्य आधार संयम एवं नियमितता ही है, इनकी उपेक्षा करके मात्र औषधियों के सहारे आरोग्य लाभ का प्रयास मृग मरीचिका के अतिरिक्त और कुछ नहीं है।

आवश्यकता पड़ने पर औषधियों का सहारा लाठी की भांति लिया तो जा सकता है, किन्तु चलना तो पैरों से ही पड़ता है। शारीरिक आरोग्य एवं सशक्तता जिस जीवनीशक्ति के ऊपर आधारित है उसे बनाये रखना इन्हीं माध्यमों से संभव है। शरीर को प्रभु मन्दिर की तरह महत्त्व दें। उसे स्वच्छ, स्वस्थ एवं सक्षम बनाना अपना पुण्य कर्तव्य मानें। उपवास द्वारा स्वाद एवं अति आहार की दुष्प्रवृत्तियों पर अधिकार पाने का प्रयास करें। श्रमशीलता को दिनचर्या में स्थान मिले। थोड़ी-सी तत्परता बरतकर यह सब साधा जाना संभव है।

विकास का विराट विजन : समृद्ध गुजरात की ओर निर्णायक कदम

जनकल्याण, औद्योगिक विस्तार और भविष्य की तैयारी का संतुलित एवं दूरदर्शी बजट गुजरात सरकार द्वारा प्रस्तुत नवीन बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित और आत्मनिर्भर गुजरात की एक स्पष्ट रूपरेखा है। चार लाख करोड़ रुपये से अधिक के इस विशाल बजट में विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 65 प्रतिशत राशि पूंजीगत एवं विकासात्मक कार्यों पर व्यय करने का निर्णय राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शेष राशि पेंशन, वेतन और ब्याज जैसे आवश्यक दायित्वों पर नियोजित की गई है, जिससे वित्तीय अनुशासन और सामाजिक संतुलन दोनों का समन्वय स्थापित होता है। यह बजट दूरदर्शिता, समावेशिता और संतुलित प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण है। सरकार ने ज्ञान(˘ट्ल्ल)के सूत्र के माध्यम से गरीब, युवा, अन्नदाता और नारीशक्ति को केंद्र में रखकर योजनाओं का निर्माण किया है। गरीब परिवारों के लिए तीन लाख से अधिक आवासों का निर्माण, प्रधानमंत्री आवास सहित विभिन्न योजनाओं में सहायता राशि को बढ़ाकर 1.70 लाख रुपये करना सामाजिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह निर्णय केवल घर बनाने का नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास है। राज्य की 36 प्रतिशत युवा आबादी को ध्यान में रखते हुए छात्रवृत्ति के लिए 4,827 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। समरस कुमार और कन्या छात्रालयों के निर्माण से हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। लगातार दूसरे वर्ष शिक्षा को सर्वाधिक प्राथमिकता देना इस बात का प्रमाण है कि सरकार भविष्य की नींव मजबूत कर रही है। प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में संरचनात्मक सुधार, नई कॉलेजों की स्थापना, खेल सुविधाओं का विस्तार तथा स्वावलंबन योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक पहल की गई है। किसानों के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराने हेतु अतिरिक्त आवंटन, किसान क्रेडिट कार्ड पर ब्याज राहत और आधुनिक उपकरणों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाएगी। सिंचाई और जल प्रबंधन के लिए हजारों करोड़ रुपये की व्यवस्था राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थिरता और मजबूती प्रदान करेगी। यह बजट स्पष्ट करता है कि सरकार किसान और ग्रामीण विकास को विकास की धुरी मानती है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में ह्यसखी साहसह्न योजना, कार्यशील महिला छात्रावासों का निर्माण और आर्थिक सहायता की व्यवस्था महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करेगी। यह सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक प्रेरक कदम है।

औद्योगिक विकास इस बजट की प्रमुख विशेषता है। गुजरात इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को आधुनिक तकनीक से लैस कर स्मार्ट बनाने का निर्णय उद्योगों के लिए नई संभावनाएं खोलेगा। टेक्सटाइल उद्योग के लिए 2,755 करोड़ रुपये का प्रावधान विशेष रूप से सराहनीय है, जिससे सूरत जैसे टेक्सटाइल हब को नई गति मिलेगी। एमएसएमई के लिए आत्मनिर्भर गुजरात योजना के अंतर्गत व्यापक सहायता से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की स्थापना से वैश्विक बाजार में राज्य की उपस्थिति और सशक्त होगी। धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 2026 को पर्यटन वर्ष घोषित करना अत्यंत दूरदर्शी निर्णय है। सोमनाथ मंदिर को ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की पहल, साथ ही अंबाजी मंदिर, गिरनार पर्वत और लोथल जैसे स्थलों के विकास की योजनाएं सांस्कृतिक विरासत को आर्थिक शक्ति में बदलने का प्रयास हैं। इससे स्थानीय रोजगार, होटल उद्योग और परिवहन क्षेत्र को भी व्यापक लाभ मिलेगा। शहरी विकास में 17 प्रतिशत की वृद्धि कर नगरपालिकाओं और महानगरों को सुदृढ़ आधार प्रदान किया गया है। पांच नए सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की घोषणा संतुलित शहरीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। स्मार्ट पार्किंग, दैनिक जलापूर्ति और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार शहरों को आधुनिक स्वरूप देगा।

सूरत मेट्रो लाइन-2 के विस्तार के लिए आवंटित राशि से शहर को हाई-स्पीड रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। इससे मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी मजबूत होगी और यात्रियों को समय व लागत की बचत होगी। खेलकूद का बजट 155 प्रतिशत तक बढ़ाना राज्य की महत्वाकांक्षी सोच को दर्शाता है। अहमदाबाद को ओलंपिक रेडी सिटी बनाने का संकल्प और अंतरराष्ट्रीय स्तरीय खेल परिसरों के निर्माण का प्रावधान युवाओं में खेल संस्कृति को बढ़ावा देगा। यदि भविष्य में कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे वैश्विक आयोजन गुजरात में होते हैं, तो राज्य की वैश्विक पहचान और सुदृढ़ होगी।

राज्य की वित्तीय स्थिति भी संतुलित और अनुशासित दिखाई देती है। राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के नियंत्रित स्तर पर है और सार्वजनिक ऋण अनुपात में कमी दर्शाती है कि सरकार विकास और वित्तीय स्थिरता के बीच संतुलन बनाए हुए है। पूंजीगत व्यय में वृद्धि दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती का संकेत है।

गिरगिट से ज्यादा तेज गति से रंग बदलते हैं ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। पिछले एक वर्ष में जिस तरह से उन्होंने निर्णय लिए हैं उनके निर्णय के कारण जिस तरह की अनिश्चित अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है, उसके बाद लोग यह कहने लगे हैं, कि गिरगिट भी देर से रंग बदलता है लेकिन ट्रंप उससे जल्दी रंग बदल लेते हैं। हाल ही में अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों के ऊपर जो टैरिफ लगाए गए थे उसे निरस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैधानिक माना है। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया फैसला लिया, जिसमें 10 फीसदी टैरिफ को लगाने का फैसला किया था। अदालत के फैसले के कुछ ही घंटे के बाद उन्होंने शुक्रवार को 10 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन शनिवार को उसे बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया। 24 फरवरी से 24 जुलाई तक सभी देशों की अलग-अलग दरों के स्थान पर अगले 150 दिन अर्थात 15 जुलाई तक 15 फीसदी टैरिफ वसूल किया जाएगा। इसका असर भारत पर भी पड़ने जा रहा है। भारत के फार्मा ओर पेट्रो पर तीन फीसदी टेरिफ लगेगा लेकिन बाकी सभी चीजों पर अब 15 फीसदी टैरिफ अमेरिका में जो भी माल भेजा जाएगा उस पर लगेगा। भारत के संबंध में बात की जाए तो पहले उन्होंने 50 फीसदी टैरिफ लगाया, 2 फरवरी को अंतरिम ट्रेड डील पर सहमति जताते हुए टैरिफ को 18 फीसदी किया था। उसके बाद 10 फीसदी टैरिफ लगाया गया। अब उसे बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया गया है। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह की अनिश्चितता अमेरिका को लेकर सारी दुनिया में देखने को मिल रही है उसमें भले अभी ट्रंप को कुछ फायदा हो रहा हो लेकिन जिस तरह से अमेरिका की साख को बट्टा लग रहा है उसके बाद सारी दुनिया में यह धारणा बनने लगी है अमेरिका को जिस दिशा में डोनाल्ड ट्रंप ले जाना चाहते हैं। उसके कारण अमेरिका कुछ ही महीना में बहुत बड़ी मुसीबत में फंस सकता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जो निर्णय लिए जा रहे हैं इसका सबसे बड़ा दुष्प्रभाव अमेरिका के ऊपर ही पड़ रहा है। अमेरिका में लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है। अमेरिका की ट्रेजरी से विभिन्न देशों ने अपना सोना और बांड के रूप में जमा राशि को निकालना शुरू कर दिया है। अमेरिका की जो विश्व में साख पिछले कई दशकों में बनी हुई थी वह तार-तार हो गई है। कारोबारी और विभिन्न देशों की सरकारों को अमेरिका के ऊपर भरोसा नहीं रहा, जिसके कारण अमेरिका अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं मानकर उन्होंने वैकल्पिक तरीके से सारी दुनिया के देशों से जो 15 फीसदी टैक्स एक जजिया-कर की तरह वसूल करने की कोशिश की है, वह अपने निर्णय के माध्यम से दबाव बनाकर दुनिया के विभिन्न देशों में अपने परिवार और पारिवारिक कंपनियों को जो लाभ पहुंचाना चाहते हैं उसकी यह रणनीति चर्चा का विषय बन गई है। कारोबारी और विभिन्न देशों की सरकारें अमेरिका से दूरी बनाने लगी है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी आंतरिक चुनौतियों राजनीतिक आधार पर बनना शुरू हो गई हैं। सड़कों पर उनका विरोध शुरू हो गया है। विभिन्न राज्यों में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ संघीय व्यवस्था को खत्म करने और डिक्टेटर वाले निर्णय लेने से बगावत जैसी स्थिति देखने को मिलने लगी है। अमेरिका कभी पूरी दुनिया का नेतृत्व करता था लेकिन अब यह स्थिति बदलती हुई दिख रही है। रूस, चीन जैसे देश अमेरिका के समानांतर एक नई वैकल्पिक व्यापारिक व्यवस्था विकसित करने की बात कर रहे हैं। वैकल्पिक मुद्रा तैयार कर रहे हैं। जिसको दुनिया के अन्य देशों का भी बड़े पैमाने पर समर्थन मिल रहा है। अभी तक अमेरिका को जो डॉलर के कारण कमाई हो रही थी अब वह कमाई भी खतरे में पडती हुई दिख रही है। डोनाल्ड ट्रंप बहुत जल्दबाजी में है। उनके कार्यकाल का एक वर्ष एक माह लगभग खत्म हो चुका है उनके लिए 2 वर्ष और 11 में शेष हैं। इस बीच में वह अपने परिवार और अपने लिए वह सब कुछ कर लेना चाहते हैं जो वह सोचते हैं। लेकिन यह संभव नहीं होगा। डोनाल्ड ट्रंप के निर्णयों के कारण अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में उनका विरोध बढ़ता चला जा रहा है। व्यापार और संबंध मैं विश्वास होना जरूरी होता था। वह विश्वास डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के ऊपर देखने को नहीं मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप आक्रामक होकर मनमाने फैसले ले रहे हैं उसके बाद यह माना जा रहा है कि जल्द ही उनके खिलाफ अमेरिका में विद्रोह शुरू हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप बहुत जिद्दी हैं। यह उनका व्यक्तिगत दुर्गुण है, जिसका खामियाजा आगे चलकर अमेरिका को चुकाना पड़ेगा। इसमें अब कोई संदेह नहीं रहा।

एक पृथ्वी, एक मानवता: शांति और समझ का वैश्विक संकल्प।

हर वर्ष 23 फरवरी को विश्व शांति और समझ दिवस रोटरी इंटरनेशनल की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष रोटरी इंटरनेशनल अपना 121वाँ स्थापना दिवस मना रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि यह दिवस इस विचार को रेखांकित करता है कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह तो हमारी आपसी समझ, साझा प्रयासों और समावेशी विकास का परिणाम है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के दौर में बढ़ते संघर्ष, युद्ध और तनाव के बीच विश्व शांति मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। वास्तव में, शांति से ही विकास, शिक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। आपसी समझ और सहिष्णुता किन्हीं भी समाजों को मजबूत व सुदृढ़ बनाती है। यह एक कटु सत्य है कि बिना शांति के न तो सुरक्षा संभव है और न ही किसी देश और समाज की स्थायी प्रगति। इसलिए विश्व शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य शर्त है। बहुत कम लोग जानते हैं कि ह्यरोटरीह्न नाम के पीछे भी एक रोचक कारण है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार शुरूआत में इसे ह्यशांति दिवसह्न नहीं कहा जाता था। इसका नाम ह्यरोटरीह्न इसलिए पड़ा क्योंकि इसके सदस्य अपनी बैठकें हर बार अलग-अलग सदस्यों के कार्यालयों में घुमाकर (रोटेशन के आधार पर) किया करते थे और यही रोटेशन आगे चलकर दुनिया भर में सेवा और शांति का प्रतीक बन गया। एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब दुनिया संघर्षों में उलझी हुई थी, तब रोटरी के सदस्यों ने लंदन में एक सम्मेलन आयोजित किया था। इसी सम्मेलन की बौद्धिक नींव पर आगे चलकर यूनेस्को की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। बहुत कम लोग जानते हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी शांति संस्थाओं में से एक की अवधारणा एक क्लब बैठक से प्रेरित थी। इस दिवस का मूल संदेश यह है कि शांति केवल युद्ध का न होना नहीं है। रोटरी की अवधारणा में शांति का अर्थ लोगों की स्वच्छ पानी तक पहुँच, साक्षरता दर में वृद्धि तथा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के विकास से भी जुड़ा है। दूसरे शब्दों में कहें तो सेवा ही शांति का सबसे बड़ा माध्यम है। जब हम भूख, बीमारी (जैसे पोलियो) और अज्ञानता के खिलाफ संघर्ष करते हैं, तो वास्तव में हम शांति की नींव रख रहे होते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 1905 को पॉल पी. हैरिस ने शिकागो (अमेरिका) में इसकी(रोटरी इंटरनेशनल) शुरूआत की थी।पेशे से वे एक वकील थे और उन्होंने अपने तीन मित्रों के साथ मिलकर पहले रोटरी क्लब की बैठक आयोजित की। उनका उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना था, जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि के पेशेवर लोग मिलकर विचार साझा कर सकें और समाज के लिए सार्थक कार्य कर सकें। समय के साथ यह एक वैश्विक आंदोलन बन गया और स्थापना दिवस को ही ह्यविश्व शांति और समझ दिवसह्न के रूप में मान्यता मिली। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज रोटरी के 200 से अधिक देशों में लगभग 46,000 से अधिक क्लब सक्रिय हैं। यहाँ पाठकों को बताना आवश्यक है कि रोटरी इंटरनेशनल एक वैश्विक सेवा संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा करना, समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा विश्व में शांति और सद्भाव स्थापित करना है। इसके सदस्य विभिन्न व्यवसायों और पेशों से जुड़े लोग होते हैं, जो स्वेच्छा से समाज सेवा में योगदान देते हैं। यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल संरक्षण, रोग उन्मूलन (विशेषकर पोलियो उन्मूलन अभियान) और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाएँ संचालित करता है। आज इसके विश्वभर में हजारों क्लब और लाखों सदस्य हैं, जो सर्विस अबूव सेल्फ (स्वार्थ से ऊपर सेवा) के आदर्श वाक्य के साथ मानव कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। वास्तव में, इस दिवस को मनाने का उद्देश्य, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं, पूरे विश्व में शांति, सेवा और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। आज के दौर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भौतिकवादी सोच, राजनीतिक और सामाजिक तनाव तथा डिजिटल माध्यमों पर फैलती नकारात्मकता ने लोगों के बीच दूरी बढ़ा दी है। कई बार देश संसाधनों और प्रभुत्व की होड़ में संघर्ष की राह चुन लेते हैं। सहयोग, सेवा-भावना और आपसी सद्भाव धीरे-धीरे कमजोर पड़ते दिखाई देते हैं। एक समय था जब समाज में भाईचारा, सहयोग और मानवता की भावना अधिक प्रबल थी, जबकि आज व्यक्तिगत स्वार्थ और असहिष्णुता कई बार इन मूल्यों पर भारी पड़ती नजर आती है। हालांकि, यह पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। आज भी दुनिया में अनेक लोग और संस्थाएँ शांति, सेवा और मानवता के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने व्यक्तिगत स्तर से छोटे-छोटे प्रयास शुरू करें। दूसरों के प्रति सम्मान, सहानुभूति, सहयोग और संवाद को बढ़ावा दें। यही छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं। इस दिवस का मुख्य फोकस शांति और सद्भावना को प्रोत्साहित करना, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समझ बढ़ाना, संघर्ष की रोकथाम तथा वैश्विक सहयोग और मानवीय एकता को मजबूत करना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस पूरे विश्व में शांति, सद्भाव और पारस्परिक समझ को सुदृढ़ करने का संदेश देता है।

अंततः यह दिवस हमें सिखाता है कि हमारे छोटे-छोटे सकारात्मक कार्य भी दुनिया में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। जब हम एक-दूसरे की सोच और भावनाओं को समझने लगते हैं, तो विवाद स्वतः कम होने लगते हैं। सार यह है कि यदि हम सभी एक-दूसरे की संस्कृतियों, विचारों और जीवन मूल्यों को समझें, तो वैश्विक भाईचारा और शांति मजबूत हो सकती है, और यह संपूर्ण विश्व एक बेहतर स्थान बन सकता है।

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

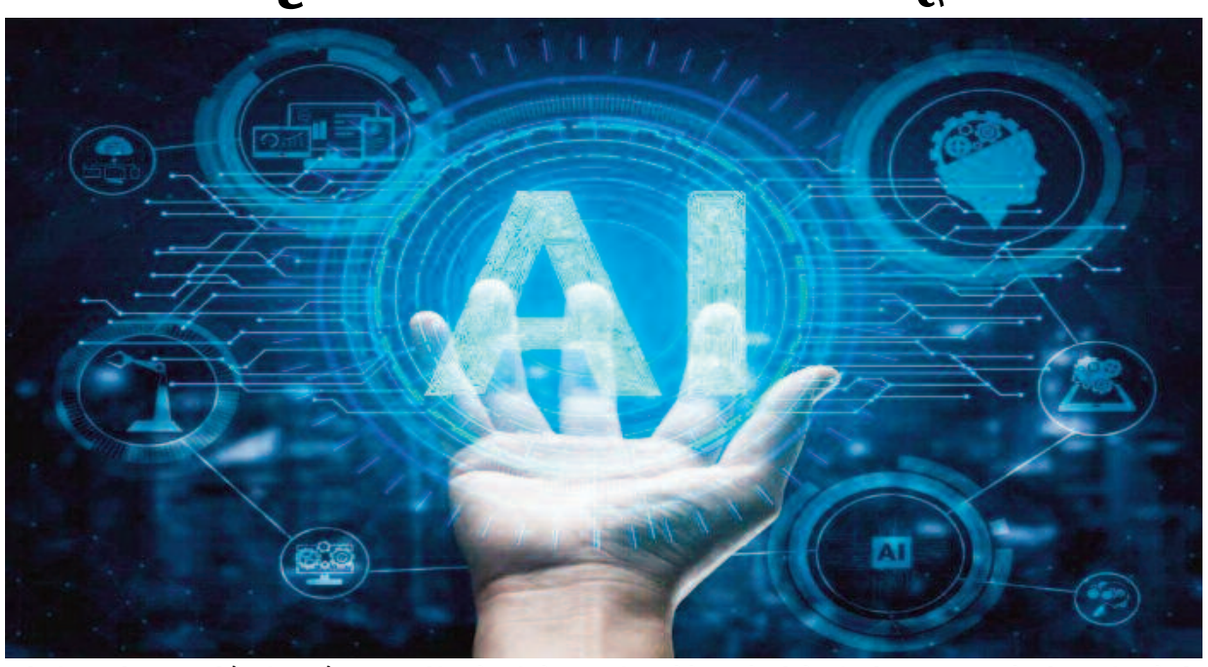

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। ह्यइंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026ह्न ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉरपोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निमार्ताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास-हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएँ खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल लाभ और वर्चस्व की दौड़। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इसलिए आवश्यक है कि एआई के विकास के साथ नैतिक ढाँचे और नियामक व्यवस्था भी सुदृढ़ हो। भारत को ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जिसमें नवाचार की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन बना रहे। ह्लमानवता केंद्र मेंह्न का सिद्धांत केवल नारा न बने, बल्कि नीति और व्यवहार में परिलक्षित हो। एआई का उपयोग यदि समावेशी विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए किया जाए तो यह तकनीक समाज के कमजोर वर्गों के लिए अवसरों का द्वार खोल सकती है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो चीन और अमेरिका एआई के क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत के सामने चुनौती है कि वह इस दौड़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। भारत का लोकतांत्रिक ढाँचा, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और विशाल बाजार उसे एक अलग सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि वह अनुसंधान में निवेश, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दे तो वह एआई के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए सस्ती, सुलभ और मानव-केंद्रित तकनीक उपलब्ध कराकर भारत एक नैतिक नेतृत्व स्थापित कर सकता है।

चुनाव की तारीखों से पहले ही छावनी बनेगा बंगाल, आचार संहिता लगने से पहले ही मोर्चा संभालेगी फोर्स

कोलकाता , एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआइ) ने बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने राज्य में मतदान की तिथियों की घोषणा और आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। निर्वाचन आयोग द्वारा शनिवार को जारी इस अधिसूचना ने राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया यह निर्णय दर्शाता है कि आयोग इस बार बंगाल में कानून-व्यवस्था को लेकर बेहद गंभीर है।

होली के तत्काल बाद घोषित हो जाएगा चुनाव : आयोग की योजना के अनुसार, केंद्रीय बलों की यह तैनाती दो रणनीतिक चरणों में संपन्न की जाएगी। पहले चरण की शुरुआत आगामी एक मार्च से होगी। गौर करने वाली बात यह है कि इस अवधि तक न तो चुनाव की तिथि अधिसूचित होंगी और न ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी होगी। इसके बाद दूसरा चरण 10 मार्च से शुरू होगा, जिसके बारे में यह संभावना जताई जा रही है कि तब तक चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी होगी और आचार संहिता लागू हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार, निर्वाचन आयोग होली के तत्काल बाद मतदान के विभिन्न चरणों की घोषणा कर सकता है।

इन दो शुरुआती चरणों में कुल 480 कंपनियों को तैनात करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें प्रत्येक चरण में 240-240 कंपनियां भेजी जाएंगी। एक मार्च को पहुंचने वाली पहली खेप में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआइआरपीएफ) की 110 कंपनियां, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 55, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) की 21, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) की 27 और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 27 कंपनियां शामिल होंगी। वहीं, 10 मार्च के दूसरे चरण में बलों की संख्या में फेरबदल करते हुए सीआरपीएफ की 120 और बीएसएफ की 65 कंपनियों सहित अन्य बलों का मिश्रण तैनात किया जाएगा।

आवाजाही और तैनाती के लिए सीआरीएफ होगी मुख्य समन्वयकारी एजेंसी : निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस पूरी आवाजाही और तैनाती के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल मुख्य समन्वयकारी एजेंसी के रूप में कार्य करेगी। साथ ही, पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह संबंधित बलों के मुख्य समन्वयकों के साथ मिलकर तैनाती की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करे। इन बलों की वापसी के संबंध में निर्णय उचित समय पर लिया जाएगा। समय से पहले बलों की इस दस्तक को संवेदनशील इलाकों में मतदाताओं के बीच विश्वास पैदा करने और संभावित हिंसा को रोकने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

वाटिका रोड पर बदमाशों ने मचाया उपद्रव, नकाबपोशों ने लाठी-डंडों से ढाबे में की जमकर तोड़फोड़

जयपुर, एजेंसी। जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए बेखौफ बदमाशों ने देर रात भारी उत्पात मचाया। मामला जयपुर के वाटिका रोड स्थित एक सड़क किनारे बने ढाबे का है, जहाँ करीब आधा दर्जन नकाबपोश बदमाशों ने अचानक हमला बोल दिया।

सीसीटीवी में कैद हुई दहशत : वारदात की पूरी घटना ढाबे में लगे कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि लाठियों और डंडों से लैस ये हमलावर किस तरह ढाबे के अंदर दाखिल होते हैं और संपत्ति को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देते हैं। नकाबपोशों ने न केवल फर्नीचर और अन्य सामान को तोड़ा, बल्कि वहां मौजूद लोगों के बीच दहशत भी फैला दी। देर रात हुई इस अचानक तोड़फोड़ से इलाके में हड़कंप मच गया। हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह हमला किसी पुरानी रंजिश का नतीजा है या फिर वसूली के इरादे से दहशतगर्दी की गई है।

नाबालिग से जघन्य अपराध के दोषी कोच को उम्रकैद, कोलकाता में की थी हत्या-लूटपाट की कोशिश

कोलकाता , एजेंसी। एक तैराकी प्रशिक्षक को नाबालिग लडक़ी की हत्या का प्रयास और लूटपाट के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। सियालदह अदालत के न्यायाधीश अनिर्बन दास ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने आरोपित संदीप साउ को शुक्रवार को दोषी ठहराया था। यह घटना 2015 में कोलकाता के चितपुर इलाके में हुई थी। अदालती सूत्रों के अनुसार, 18 मार्च, 2015 को तैराकी प्रशिक्षक नाबालिग के फ्लैट में दाखिल हुआ। उस समय नाबालिग के माता-पिता नहीं थे। नाबालिग फ्लैट में अकेली थी। हालांकि नाबालिग व उसके माता-पिता तैराकी प्रशिक्षक से परिचित थे। संदीप साउ ने फ्लैट में घुसते ही अलमारी खोली तथा पैसे व गहने निकालने लगा। उसने नाबालिग से कहा कि उसे अपने पिता के इलाज के लिए पैसों की जरूरत है। घटना को देखकर नाबालिग ने इसका विरोध किया। आरोप है कि संदीप ने तौलिए से नाबालिग का गला घोंटकर मारने की कोशिश की। इतना ही नहीं, उसने नाबालिग को चाकू से गोद दिया। खून से लथपथ होकर नाबालिग बेहोश हो गई। इसी बीच, संदीप फरार हो गया। बाद में, जब नाबालिग को होश आया, तो उसने दूसरे फ्लैट के पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी। पड़ोसी उसे अस्पताल ले गए। पुलिस को सूचना दी गई। लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच के बाद संदीप साउ को गिरफ्तार कर लिया। सियालदह अदालत में मामला दर्ज किया गया। अदालत में कुल 22 लोगों ने गवाही दी।

गोवा देश का इकलौता राज्य जहां घट गई मतदाताओं की संख्या, वोटर लिस्ट से कटे 1.27 लाख नाम

गोवा, एजेंसी। गोवा में चुनाव आयोग द्वारा शनिवार को जारी की गई अंतिम मतदाता सूची ने एक अहम और असामान्य रुझान को सामने रखा है। लगभग चार महीने तक चले विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद राज्य में मतदाताओं की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ड्राफ्ट मतदाता सूची की तुलना में अंतिम सूची में 2.5 प्रतिशत और पुनरीक्षण से पहले की सूची की तुलना में 10.8 प्रतिशत मतदाताओं की कमी आई है।

देश में अब तक जिन नौ अन्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्ट्रक्रपूरा हुआ है, वहां ड्राफ्ट से अंतिम सूची के बीच मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, जबकि गोवा इकलौता राज्य है जहां इसमें गिरावट दर्ज हुई।

क्या कहते है आंकड़े : स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन शुरू होने से पहले, 27 अक्टूबर को गोवा में कुल 11,85,034 मतदाता पंजीकृत थे। गणना चरण के बाद 16 दिसंबर को जारी ड्राफ्ट सूची में यह संख्या घटकर 10,84,992 रह गई, यानी 8.4 प्रतिशत की कमी। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची में कुल मतदाताओं की संख्या और घटकर 10,57,666 हो गई।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी

द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ड्राफ्ट सूची में शामिल 10,84,992 मतदाताओं में से केवल 9,02,589 नाम पिछले स्ट्रक्र रोल से मैप हो पाए, जबकि 1,82,403 मतदाता अनमैप्ड पाए गए।

इसके अलावा, मैप किए गए मतदाताओं में भी 58,923 मामलों में तार्किक विसंगतियां पाई गईं, जिनमें पिता के नाम में अंतर, माता-पिता या दादा-दादी के साथ आयु का असामान्य अंतर और छह से अधिक बच्चों का उल्लेख जैसी त्रुटियां शामिल थीं।

ड्राफ्ट और अंतिम सूची में अंतर : दावों और आपत्तियों की अवधि के दौरान कुल 24,949 आवेदन समावेशन या निवास परिवर्तन के लिए आए। इनमें से 12,166 आवेदनों के आधार पर नाम जोड़े गए, जबकि 3,812 मामलों में नाम काटे गए। कुल मिलाकर ड्राफ्ट और अंतिम सूची के बीच 39,592 नाम हटाए गए और 12,166 जोड़े गए, जिससे 27,426 मतदाताओं का शुद्ध विलोपन हुआ।

चीफ इलेक्शन ऑफिसर संजय गोयल के अनुसार, स्ट्रक्र की शुरुआत में मौजूद सूची की तुलना में कुल 1,27,468 मतदाताओं के नाम हटे हैं, जो कुल मतदाता सूची का लगभग 10.75 प्रतिशत है। इनमें 428 ऐसे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने पुर्तगाली पासपोर्ट हासिल कर लिया था, लेकिन उनके नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज थे।

कहां घटे सबसे अधिक वोटर : क्षेत्रवार देखें तो वास्को द गामा विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 11,657 नाम कटे हैं। इसके बाद कॉर्टालिम में 9,389 और डाबोलिम में 5,489 मतदाताओं के नाम हटाए गए। उत्तरी गोवा में तालेइगाओ में 4,947 और पणजी में 4,274 नामों का विलोपन हुआ।

अंतिम सूची में 5,11,436 पुरुष, 5,46,121 महिलाएं और नौ तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। 18-19 आयु वर्ग के नए मतदाताओं का प्रतिशत ड्राफ्ट सूची के 0.5 प्रतिशत से बढ़कर अंतिम सूची में 0.89 प्रतिशत हो गया है। आयोग ने बताया कि जिन नागरिकों को अंतिम सूची पर आपत्ति है, वे नियमानुसार अपील या नया फॉर्म दाखिल कर सकते हैं।

इन राज्यों में घटे सबसे ज्यादा वोटर

अंडमान और निकोबार में मतदाता संख्या 16.9 प्रतिशत, गुजरात में 13.4 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में 11.8 प्रतिशत घट गई। इसके विपरीत लक्षद्वीप, केरल और राजस्थान ऐसे क्षेत्र रहे, जहां मतदाता सूची में सबसे कम गिरावट देखी गई। लक्षद्वीप में केवल 0.4 प्रतिशत, केरल में 3.2 प्रतिशत और राजस्थान में 5.7 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। ड्राफ्ट और अंतिम सूची के बीच सभी राज्यों में एक जैसा बदलाव नहीं हुआ, जिसका असर राज्यों की आपसी रैंकिंग पर भी पड़ा है। केरल, जो ड्राफ्ट चरण में अधिक कटौती वाले राज्यों में शामिल था, अंतिम सूची में सबसे कम गिरावट वाले तीन राज्यों में पहुंच गया। दूसरी ओर मध्य प्रदेश और गोवा, जो पहले अपेक्षाकृत नीचे थे, अब अधिक कटौती वाले राज्यों की सूची में ऊपर आ गए हैं। किन राज्यों में कितना बदलाव ड्राफ्ट और अंतिम सूची के बीच सबसे बड़ा सुधार केरल में देखने को मिला, जहां मतदाता संख्या में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में 4.7 प्रतिशत और पुडुचेरी में 2.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

ओडिशा में ट्रेलर ने पुलिस की गाड़ी को मारी टक्कर

5 जवानों की मौत; 3 की हालत नाजुक

गोवाहाटी, एजेंसी। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में रविवार तड़के एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने पुलिस की बोलेरो गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे पांच पुलिस कर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हैं।

यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि पुलिस वाहन के परखच्चे उड़ गए। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना झारसुगुड़ा सदर पुलिस स्टेशन के पास सुबह के समय हुई।

पुलिस की बोलेरो ड्यूटी पर थी, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसे सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो पूरी तरह पिचक गई, जिससे उसमें सवार पांच कर्मियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

इस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले जवानों की पहचान कर ली गई है। पुलिस विभाग ने मृतकों के नाम साझा करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में ड्रिल सब-इंस्पेक्टर निरंजन कुजूर, एपीआर कर्मी काशीराम भोई, एपीआर कर्मी देबदत्त सा, एपीआर हवलदार लिंगराज धुरुआ और होमगार्ड भक्तबंधु मिर्धा का निधन हुआ है।

दुर्घटना में घायल हुए तीन अन्य कर्मियों में आर्म्ड पुलिस रिजर्व के दो सदस्य और एक सार्जेंट शामिल हैं। स्थानीय पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उन्हें बाहर निकाला और तुरंत झारसुगुड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, तीनों की हालत काफी नाजुक बनी हुई है और उन्हें विशेषज्ञों की कड़ी निगरानी में रखा गया है।

घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने आरोपी ट्रेलर चालक को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह हादसा चालक की लापरवाही, नींद आने या किसी तकनीकी खराबी के कारण हुआ।

ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए जिले भर में लोग एकत्र हो रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने शहीदों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है और घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

तमिलनाडु में दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन

तिरुप्पुर, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने तमिलनाडु के तिरुप्पुर से छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों के समर्थन में ऑनलाइन सामग्री साझा करने का आरोप है। दिल्ली पुलिस की एक विशेष टीम ने खुफिया जानकारी के आधार पर तिरुप्पुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी की। इस दौरान उथुकुली से दो, पल्लाडम से तीन और थिरुमुरुगनपुंडी से एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया।

पहचान छुपाने के लिए फर्जी दस्तावेज : जांच में सामने आया कि ये सभी आरोपी बांग्लादेशी नागरिक हैं जो अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। उन्होंने तिरुप्पुर के गारमेंट उद्योग में काम पाने और अपनी पहचान छुपाने के लिए फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों का सहारा लिया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से आठ मोबाइल फोन और सोलह सिम कार्ड बरामद किए हैं।

जंग के मैदान में तब्दील हुई पहाड़ियां

▶▶ छत्तीसगढ़ में दो हजार जवानों ने घेरा माओवादियों का सुरक्षित ठिकाना

जगदलपुर, एजेंसी। माओवादी हिंसा के समूल खात्मे की 31 मार्च 2026 की समय-सीमा से पहले सुरक्षाबल ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित करेंगुट्टा पहाड़ी में निर्णायक अभियान शुरू किया है। छत्तीसगढ़ के सुकमा, दंतेवाड़ा व बीजापुर जिलों से आए करीब दो हजार जवानों ने पहाड़ी को पूरी तरह से घेर लिया है।

सुरक्षा एजेंसियों का लक्ष्य माओवादियों के शेष नेटवर्क व उनके अंतिम सुरक्षित ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त करना है।

खुफिया एजेंसियों के इनपुट के आधार पर करेंगुट्टा क्षेत्र में केशा, पापाराव जैसे 100 से अधिक माओवादी हिंसकों की मौजूदगी की बात सामने आई है। इसी आधार पर पहाड़ी की रणनीतिक घेराबंदी कर सर्च और कांबिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सर्विलांस, आधुनिक संचार उपकरण व रियल-टाइम मॉनिटरिंग के जरिये हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। करेंगुट्टा पहाड़ी के नीचे पहले से स्थापित स्थायी सुरक्षा कैंप के चलते रसद, चिकित्सा और त्वरित सहायता व्यवस्था इस बार अधिक मजबूत बताई जा रही है।

गौरतलब है कि वर्ष 2025 में इसी क्षेत्र में सुरक्षाबल की बड़ी कार्रवाई में 31 माओवादी मारे गए थे व भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद किए गए थे। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि मौजूदा अभियान माओवादियों की शेष ताकत को निर्णायक रूप से तोड़ सकता है।

गृह मंत्री शाह ने दिए थे सख्त कार्रवाई के संकेतहाल ही में बस्तर दौरे पर आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सक्रिय माओवादी नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई के संकेत दिए थे। इसके बाद से ही राज्य के सीमावर्ती पहाड़ियों और जंगलों में अभियान तेज किए गए हैं। बस्तर के आइजी सुंदरराज पी. ने माओवादियों से हिंसा का रास्ता त्यागकर मुख्यधारा में लौटने की अपील की है।

कर्नाटक में 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए भाजपा विधायक

शिरहट्टी , एजेंसी। कर्नाटक के शिरहट्टी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चंद्रू लमानी को कर्नाटक लोकायुक्त ने गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि वे 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए। अधिकारियों ने बताया कि लमानी को पकड़ने के लिए एक जाल बिछाया था, फिर पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया और उसके बाद उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में उनके दो पर्सनल असिस्टेंट को भी हिरासत में लिया गया है।

किस मामले में ली रिश्वत : लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, यह रिश्वत कथित तौर पर गडग जिले में छोटे सिंचाई विभाग के एक प्रोजेक्ट से जुड़ी मंजूरी दिलाने के लिए मांगी गई थी। इस काम के तहत सड़क के दोनों तरफ एक रिटेनिंग वॉल (सहायक दीवार) बनाना था।

कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने बिछाया जाल : शिकायत करने वाले गडग के क्लास-1 कॉन्ट्रैक्टर विजय पुजार से जब कथित तौर पर प्रोजेक्ट के लिए मंजूरी लेने के लिए 11 लाख रुपये रिश्वत की मांग की गई, जिसके बाद उन्होंने एंटी-करप्शन अधिकारियों से संपर्क किया। फिर शिकायत की पुष्टि करने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने शनिवार को जाल बिछाया। ऑपरेशन के दौरान लमानी को कथित तौर पर मांगी गई रकम का हिस्सा 5 लाख रुपये लेते हुए पकड़ा गया। यह कार्रवाई लोकायुक्त पुलिस की एक टीम ने सीनियर अधिकारियों की देखरेख में की।

बंगाल का अपमान बर्दाश्त नहीं, ममता बनर्जी ने एसआईआर पर फिर उठाए सवाल

कोलकाता एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर अन्य राज्यों में बंगालियों के साथ भेदभाव पर सवाल उठाया है। ममता बनर्जी ने कहाकि पश्चिम बंगाल में अन्य प्रदेशों से एक करोड़ लोग आए हैं। यहां पर इन लोगों से भाइयों जैसा व्यवहार किया जाता है। लेकिन बंगाल के लोगों के साथ अन्य राज्यों में बिल्कुल उलटा होता है। उन्होंने आगे कहाकि आज भारत में तानाशाही जैसा माहौल हो गया है।

इस दौरान उन्होंने एसआईआर समेत बंगाल के अपमान की भी मुद्दा उठाया। ममता बनर्जी ने शनिवार को 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी भाषाएं समान रूप से सम्मान की पात्र हैं और उन्हें किसी भी प्रकार के 'प्रहार' से बचाया जाना चाहिए।

क्या बंगाली में बात करना अपराध : ममता बनर्जी ने सवाल उठाया कि क्या बंगाली में बात करना अपराध है? मैं कहती हूं कि हमें एक होने की जरूरत है। द्व

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहाकि मैं अपनी जान दे दूंगी, लेकिन किसी के सामने झुकूंगी नहीं। मैं बंगाल का अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाली। उन्होंने कहाकि आखिर आपको बंगाल के लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर फेंक देने की जल्दी क्या है? भाषा आंदोलनों के दौरान शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार भाषाई विविधता का सम्मान करती है तथा उसने कई भाषाओं को आधिकारिक मान्यता दी है।

सभी को मातृभाषा में शिक्षा का अधिकार : मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहाकि बांग्ला न केवल एक समृद्ध साहित्यिक विरासत वाली भाषा है, बल्कि यह सभी भाषाई समुदायों के प्रति सम्मान की व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा भी है।

उन्होंने कहाकि हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि राज्य में हर व्यक्ति को, चाहे वह कोई भी भाषा बोलता हो, उसे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिले।

बनर्जी ने जानकारी दी कि राज्य सरकार ने विभिन्न भाषाई समूहों के लिए भाषा अकादमियां स्थापित की हैं। उन्होंने कहाकि इस पावन दिन पर हम अपना संकल्प दोहराते हैं कि यदि किसी भी भाषा पर प्रहार होता है तो हम सब उसके खिलाफ एकजुट होकर खड़े होंगे। सभी भाषाएं समान सम्मान की पात्र हैं।

बता दें कि ममता पहले भी बांग्ला भाषी लोगों के साथ अन्य राज्यों में भेदभाव की बात उठाती रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि अन्य प्रदेशों, खासतौर पर भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के रहने वालों पर अत्याचार होता है। इसके अलावा, उन्होंने एसआईआर के दौरान भी बंगाल के साथ अन्याय की बात कही है।

हिंदू कोई धर्म नहीं है, हिंदू राष्ट्र क्यों कहते हैं? दिग्विजय सिंह का बड़ा बयान

भोपाल , एजेंसी। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने हिंदू राष्ट्र पर अपने विवादास्पद बयान पर शनिवार को सफाई दी। उन्होंने कहा, मैंने कहा था कि हिंदू कोई धर्म नहीं है। भारत एक देश है और भारतीय संविधान में लिखा है- हम भारत के लोग, अर्थात् भारत।

इसलिए हमें इसे भारतवर्ष क्यों नहीं कहते? हिंदू राष्ट्र क्यों कहते हैं? उन्होंने इस मुद्दे पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत की पहचान संवैधानिक रूप से भारत है, न कि किसी एक धर्म से जुड़ी।

दिग्विजय सिंह ने इस बयान से स्पष्ट किया कि वे भारत को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में देखते हैं और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को अस्वीकार करते हैं।

दिग्विजय सिंह ने टी-20 विश्व कप में भारतीय क्रिकेटरों की ओर से पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने के मुद्दे पर भी

टिप्पणी की। उन्होंने कहा, उन्हें हाथ मिलाना चाहिए।

यह खेल भावना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि खेल के मैदान पर राजनीति नहीं हावी होनी चाहिए और स्पोर्ट्समैनशिप के तहत दोनों टीमों को आपसी सम्मान दिखाना चाहिए।

यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत-पाकिस्तान मैचों में हाल के वर्षों में हाथ न मिलाने की परंपरा शुरू हुई है, जिसे कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी आलोचना की है।

ऋस्स को लेकर मोहन भागवत का बयान : इस बीच, आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संघ की तुलना किसी अन्य संगठन से ँनहीं की जा सकती, क्योंकि संघ जैसा कोई दूसरा है ही नहीं।

उन्होंने कहा कि संघ की शाखा और संचलन को देखकर कुछ लोग इसे पैरा-मिलिट्री संगठन समझ लेते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि संघ व्यक्ति निर्माण की कार्यशाला है, जहां व्यक्ति के सर्वांगीण विकास की प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जाता है। भागवत मेरठ व ब्रज प्रांत की प्रमुख जन संवाद गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

भारत में रहने वाला हर व्यक्ति हिन्दू: मोहन भागवत ने कहा, संघ की स्थापना ऐसे समय में हुई जब देश पराधीन था और समाज अनेक कुरीतियों व असमानताओं से ग्रस्त था।

केशव बलिराम हेडगेवार के संपर्क उस समय के कई स्वतंत्रता सेनानियों बाल गंगाधर तिलक, मदन मोहन मालवीय, सुभाषचंद्र बोस, विनायक दामोदर सावरकर, भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद से थे।

उस समय एक प्रमुख चिंता यह थी कि भारत बार-बार पराधीन क्यों होता है। उन्होंने कहा कि भारत में रहने वाला हर व्यक्ति हिन्दू है। हिन्दू शब्द का अर्थ किसी मत-पंथ विशेष से नहीं, बल्कि उस जीवन दृष्टि से है जो सबको जोड़ने, सबके हित में सोचने और समस्त सृष्टि के कल्याण की प्रेरणा देती है। भागवत ने कहा कि मत, पंथ और पूजा पद्धतियां अलग हो सकती हैं, लेकिन सांस्कृतिक पहचान एक है।

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड को मिली मायूसी

बारिश के कारण मैच हुआ रद्द, दोनों को 1-1 अंक

कोलंबो। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 का पहला मैच बारिश की वजह से कोलंबो में खेला ही नहीं जा सका। इस मैच में टॉस तो हुआ, लेकिन एक भी गेंद फेंकी नहीं जा सकी। इस मैच के बाद ग्रुप बी की अंकतालिका कुछ इस तरह से है। वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। सुपर 8 का पहला मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कोलंबो में खेला गया, लेकिन बारिश की वजह से इस मैच को रद्द कर दिया गया। इस मैच में टॉस तो हुआ, लेकिन इसके बाद भारी बारिश की वजह से एक भी गेंद नहीं फेंका जा सका।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच अगर ये मुकाबला खेला जाता तो जिस भी टीम को जीत मिलती उसे 2 अंक प्राप्त होते, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मैच रद्द होने की वजह से दोनों टीमों के बीच एक-एक अंक का बंटवारा कर दिया गया। यानी एक एक-एक अंक के साथ दोनों टीमों का खाता एक साथ ही खुल पाया। सुपर 8 में भारतीय टीम का पहला मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ रविवार को खेला जाएगा।

साल दर साल जी रहा हूं, दिसंबर 2026 तक संन्यास ले सकता हूं: नेमार

नई दिल्ली । ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर नेमार का करियर चोटों की वजह से प्रभावित रहा है। इंजरी से परेशान नेमार फुटबॉल को अलविदा कहने की सोच रहे हैं। नेमार ने शुक्रवार को ब्राजील के ऑनलाइन चैनल केज पर फुटबॉल से संन्यास लेने की संभावना जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि अब से क्या होगा। मुझे अगले साल के बारे में भी नहीं पता। हो सकता है कि जब दिसंबर आए, तो मैं रिटायर होना चाहूं। मैं अब साल दर साल जी रहा हूं। ' नेमार ने कहा, 'यह वर्ल्ड कप का साल है। इसलिए बहुत जरूरी है। ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के साथ-साथ मेरे लिए भी। ' 34 साल के हो चुके नेमार ने पिछले महीने अपने बचपन के क्लब सैंटोस के साथ अपने अनुबंध का नवीनीकरण किया था। नेमार जनवरी 2025 में सैंटोस लौटे और टीम को ब्राजील की टॉप टीम बने रहने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सीजन के आखिरी पांच मैचों में पांच गोल किए।

नेमार की हाल ही में घुटने की सफल सर्जरी हुई थी। वह बार-बार होने वाली चोटों से जूझ रहे हैं। इंजरी ने उनके करियर पर असर डाला है। ब्राजील के लिए अब तक के सबसे ज्यादा 79 गोल करने वाले नेमार अक्टूबर 2023 के बाद से राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। इससे आने वाले फुटबॉल विश्व कप में भी उनके खेलने पर सवाल है। ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने पिछले साल बार-बार कहा है कि 2026 वर्ल्ड कप के लिए सिर्फ पूरी तरह से फिट खिलाड़ियों पर ही विचार किया जाएगा। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक कनाडा, मैक्सिको और यूनाइटेड स्टेट्स में खेला जाना है। नेमार ने 18 साल की उम्र में 2010 में ब्राजील की फुटबॉल टीम के लिए खेलना शुरू किया था। उस समय उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें दुनिया का अगला बड़ा सितारा माना जा रहा था। कई मौकों पर नेमार ने अपनी असाधारण प्रतिभा दिखाई भी, लेकिन इंजरी ने उनके करियर को बुरी तरह प्रभावित किया है। इंजरी ने उनके कई महत्वपूर्ण साल खराब किए और इस दौरान उनसे जूनियर रहे खिलाड़ी काफी आगे निकल गए।

फ्लॉयड मेवेदर पेशेवर मुक्केबाजी में कर सकते हैं वापसी

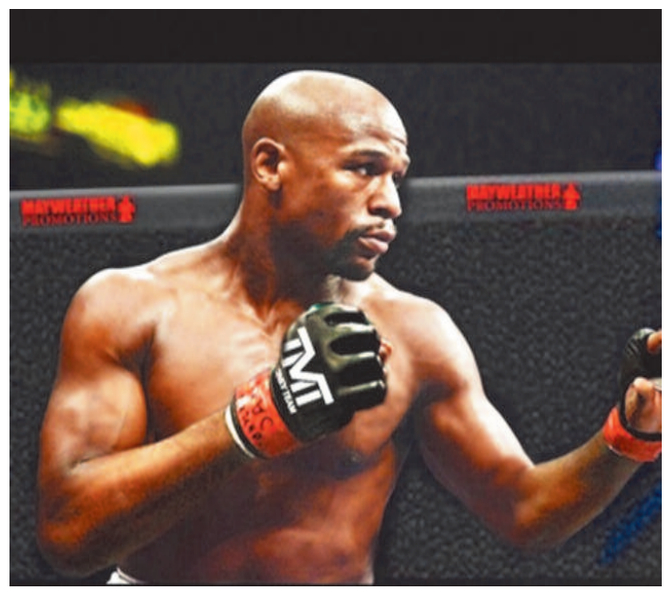

नई दिल्ली । दिग्गज मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने एक बार फिर से पेशेवर मुक्केबाजी रिंग में वापसी के संकेत दिए हैं। पूर्व विश्व चैंपियन ने कहा है कि वह आधिकारिक पेशेवर फाइट लड़ने पर विचार कर रहे हैं। मेवेदर के बयान ने मुक्केबाजी की दुनिया में हलचल मचा दी है। मेवेदर ने 2017 में कॉनर मैकग्रेगर को हराकर 50-0 का रिकॉर्ड बनाया था। उस मुकाबले में उन्होंने दसवें राउंड में टीकेओ से जीत दर्ज की और इसके तुरंत बाद संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालांकि, संन्यास के बाद भी मेवेदर पूरी तरह मुक्केबाजी से दूर नहीं हुए। वह पेशेवर मुक्केबाजों, एमएमए फाइटर्स और सेलिब्रिटीज के खिलाफ कई प्रदर्शनी मुकाबलों के लिए रिंग में उतरे हैं। अगस्त 2024 में मेक्सिको में उनका मुकाबला जॉन गोटी तृतीय से हुआ था। 2026 में मेवेदर 59 साल के माइक टायसन के साथ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। यह मुकाबला अप्रैल 2026 में कांगो में प्रस्तावित है। इसे बॉक्सिंग इतिहास के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक माना जा रहा है। दोनों मुक्केबाजों की कुल उम्र 100 वर्ष से अधिक होने के बावजूद, फैंस के बीच इस इवेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह है।

मेवेदर ने बयान में कहा कि उनके इवेंट्स से अधिक गेट रेवेन्यू, वैश्विक दर्शक संख्या और कमाई शायद ही कोई और फाइटर हासिल कर सके। टायसन के साथ होने वाला इवेंट उनकी संभावित वापसी की दिशा में एक कदम हो सकता है। अगर यह वापसी आधिकारिक रूप लेती है, तो यह लगभग नौ साल बाद उनकी पहली पेशेवर फाइट होगी।

पांच अलग-अलग वेट डिवीजन में विश्व चैंपियन रह चुके मेवेदर का करियर ऐतिहासिक रहा है। टायसन के साथ होने वाला मुकाबला तय करेगा कि 48 साल के मेवेदर का पेशेवर मुक्केबाज के रूप में क्या भविष्य होगा। हालांकि, मेवेदर के फैन जरूर चाहेंगे कि वह रिंग में वापसी करें।

संजू को नेट्स में अभिषेक शर्मा ने कराई गेंदबाजी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिल सकता है मौका

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को सुपर-8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में उतरेगी। ग्रुप स्टेज में शीर्ष पर रहते हुए सुपर-8 के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम के लिए सलामी बल्लेबाजी चिंता का विषय रही है। भारतीय टीम इस समस्या के समाधान के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक बार फिर संजू सैमसन को मौका दे सकती है। विश्व कप से पहले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा प्रचंड फॉर्म में चल रहे थे। वह टी20 की रैंकिंग में अभी भी नंबर वन बल्लेबाज हैं। विश्व कप में अभिषेक की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है। वह अब तक तीन मैच खेले हैं और तीनों ही मैचों में बिना खाता खोले आउट हुए हैं। उनकी असफलता ने टीम इंडिया की परेशानी बढ़ा दी है। लगातार असफलता के शिकार अभिषेक शर्मा का आत्मविश्वास डगमगाया है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारतीय टीम एक बार फिर से अभिषेक की जगह विकेटकीपर संजू सैमसन को ईशान किशन के साथ ओपनिंग जोड़ीदार बना सकती है।

शुक्रवार की शाम को कृत्रिम रोशनी में आयोजित अभ्यास सत्र में संजू सैमसन को लंबे समय तक बल्लेबाजी का अभ्यास करते हुए देखा गया। सैमसन ने तेज गेंदबाजी और स्पिनर दोनों के खिलाफ लंबे समय तक बल्लेबाजी की और इस दौरान अच्छे टच में दिखे। हेड कोच गौतम गंभीर ने अभिषेक शर्मा से अभ्यास सत्र के दौरान लंबी बातचीत की। इसके बाद वह सैमसन को गेंदबाजी करते हुए नजर आए। इसके बाद यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि सैमसन अगले मैच में भारतीय प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हो सकते हैं। भारतीय टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या भी ज्यादा है, जिसका फायदा विपक्षी टीमों को हो रहा है। इस वजह से भी सैमसन को मौका दिया जा सकता है। नामीबिया के खिलाफ विश्व कप में एकमात्र मैच खेलने वाले सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 टी20 मैचों में 2 शतक की बदौलत 190 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से 253 रन बनाए हैं।

'इंडियन वेल्स टूर्नामेंट'

45 साल की वीनस विलियम्स को मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री

नई दिल्ली । दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी और 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को इस साल के इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री दिए जाने की पुष्टि की है। 1-15 मार्च तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले इस टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स एकल और डबल्स दोनों श्रेणियों में हिस्सा लेंगी। वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने से उत्साहित वीनस विलियम्स ने कहा, 'इंडियन वेल्स वापस जाना और कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा है। जबरदस्त फैंस के सामने खेलने जैसा कुछ नहीं है। मैंने इतने सालों में यहां बहुत सारी यादें बनाई हैं। मैं आयोजकों की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे वापस बुलाया। 'पूर्व वर्ल्ड नंबर वन और चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट विलियम्स ने पहले भी इंडियन वेल्स में काफी सफलता हासिल की है। वह तीन बार सेमीफाइनल तक पहुंची हैं। आखिरी बार 2024 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के माध्यम से ही उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

45 साल की विलियम्स ने 2026 का कैंपेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से शुरू किया था। उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। हालांकि, वह पहले दौर से ही बाहर हो गई थीं, लेकिन ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड उन्होंने अपने नाम कर लिया।

विलियम्स ने शुरुआती सेट में कड़ा मुकाबला जीता, लेकिन दूसरे सेट में डैनिलोविच ने बेसलाइन से वापसी की। सर्बियाई खिलाड़ी ने डिसाइडर में भी अपना नियंत्रण बनाए रखा, और अहम मौकों पर विलियम्स की सर्विस तोड़कर मैच अपने नाम कर लिया। हार के बावजूद, विलियम्स ने नौ एस और फर्स्ट-सर्व पॉइंट्स पर 71 प्रतिशत सफलता दर से सबको प्रभावित किया। हालांकि पांच डबल फॉल्ट महंगे साबित हुए। पिछले साल, वह पार्टनर लेयला फर्नांडीज के साथ यूएस ओपन डबल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंचीं थीं। इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वीनस के प्रदर्शन पर दुनियाभर के टेनिस फैंस की नजर रहेगी।

टी20 वर्ल्ड कप: सुपर -8, संडे को दो धमाकेदार मुकाबले

भारत के सामने साउथ अफ्रीका तो इंग्लैंड को मिलेगी श्रीलंका से चुनौती

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। संडे को सुपर 8 को दो मैच बैक-टू-बैक खेले जाएंगे। पहला मैच इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच जबकि दूसरा मैच भारत और साउथ अफ्रीका को बीच होगा।

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। सुपर 8 में संडे यानी रविवार को दो मैच खेले जाएंगे जिसमें इंग्लैंड के सामने श्रीलंका की चुनौती होगी जबकि भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरना है। एक ही दिन में दो मैच होने की वजह से इसकी आखिर क्या टाइमिंग होगी आइए इसके बारे में जानते हैं।

दोपहर 3.00 बजे से खेला जाएगा

इंग्लैंड-श्रीलंका मैच- संडे यानी रविवार के दिन सुपर 8 का पहला मुकाहला इंग्लैंड और श्रीलंका (ग्रुप बी) के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच इस मैच की शुरुआत भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3.00 बजे से होगी जबकि टॉस दोपहर 2.30 पर किया जाएगा। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच ये मैच पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम, पल्लेकेले में खेला जाएगा।

भारत-साउथ अफ्रीका मैच की शुरुआत शाम 7.00 बजे से होगी- रविवार के दिन सुपर 8 का दूसरा मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। इस मैच की शुरुआत भारतीय समय के मुताबिक शाम 7.00 बजे से होगी जबकि टॉस का वक्त शाम 6.30 बजे का होगा। साउथ अफ्रीका और भारत के बीच ये मैच नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला जाएगा।

अभिषेक को किया बैक, सुंदर आउट

पूर्व भारतीय स्पिनर ने चुनी साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत की प्लेइंग 11

अहमदाबाद। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ रविवार को होने वाले मैच के लिए भारतीय टीम की प्लेइंग 11 का चयन किया। भज्जी का मानना है कि टीम इंडिया को अपनी उसी प्लेइंग इलेवन के साथ मैदान पर उतरना चाहिए जो पहले मैच में यूएसए के खिलाफ खेली थी। भारत अपने पहले सुपर 8 मुकाबले में साउथ अफ्रीका के खिलाफ नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में उतरेगा। हालांकि जसप्रीत बुमराह बीमार होने की वजह से यूएसए के खिलाफ मैदान पर नहीं उतरे थे, लेकिन बाद में उन्होंने तीनों लीग मैच में हिस्सा लिया था। हरभजन सिंह ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपनी प्लेइंग इलेवन में एकमात्र बदलाव अक्षर पटेल के रूप में किया।

भारतीय टीम में एक बदलाव संभव

हरभजन सिंह ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि मुझे नहीं लगता है कि कोई ज्यादा बदलाव होगा, हां अक्षर पटेल जरूर खेलेंगे और उनकी वापसी होगी। आप वही टीम देखेंगे जो आपने यूएसए के खिलाफ पहले मैच में खेलते हुए देखी थी और वो बिल्कुल सही टीम थी। अक्षर आपकी टीम के उप-कप्तान हैं और वो एक प्रॉपर बॉलर हैं चाहते सामने कोई भी लेफ्ट हैंडर हो या फिर राइट हैंडर उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। हरभजन सिंह ने यह भी कहा कि अर्शदीप सिंह नई गेंद से विकेट लेने की अपनी क्षमता की वजह से अहमदाबाद की पिच पर भारत के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि अर्शदीप सिंह नई गेंद को स्विंग कराते हैं और विकेट लेते हैं। आपको यहां उतने स्पिनरों की जरूरत नहीं है जितनी कोलंबो में थी। भज्जी ने ओपन करने के लिए अभिषेक शर्मा को सपोर्ट किया और कहा कि उन्हें इशान के साथ ओपन करना चाहिए।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जेमिमा ने पूरे किए 2500 रन

एडिलेड। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध एडिलेड ओवल में शनिवार को खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में अर्धशतकीय पारी के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,500 रन पूरे कर लिए हैं। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज के अंतिम मुकाबले में 46 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। अपना 118वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलते हुए जेमिमा ने भारत की पारी के पांचवें ओवर में किम गार्थ की गेंद पर चौका लगाकर इस आंकड़े को पार किया। इसी के साथ रोड्रिगेज कप्तान कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के बाद महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली चौथी भारतीय महिला बनीं। शनिवार को एडिलेड में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए भारत ने 6 विकेट खोकर 176 रन बनाए। भारत ने 19 के स्कोर पर शेफाली वर्मा (7) का विकेट गंवा दिया

था। यहां से जेमिमा ने स्मृति मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 82 गेंदों में 121 रन की साझेदारी करते हुए पारी को संभाला।

मंधाना 55 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 82 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद शेफाली ने ऋचा घोष के साथ तीसरे विकेट के लिए 14 गेंदों में 28 रन जुटाते हुए टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचाया।

ऋचा घोष 7 गेंदों में 1 छक्के और 2 चौकों के साथ 18 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जेमिमा ने 59 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि किम गार्थ और सोफी मोलिन्यूक्स ने 1-1 विकेट निकाला।

भारत ने टी20 सीरीज के पहले मुकाबले को डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 21 रन से अपने नाम किया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने अगले मैच को 19 रन से जीता। ऐसे में सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला निर्णायक बन गया है

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को 'भारत का मिनी इज़राइल' भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इज़राइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)
कैम्पिंग और बोनफायर
रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना
स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना
हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।
सितंबर से नवंबर- मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।
दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

सड़क मार्ग- दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ - कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी - अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

आलिया भट्ट और राजकुमार राव की पहली बार बनेगी जोड़ी

आलिया भट्ट इन दिनों एक्शन फिल्म अल्फा और पीरियड रोमांस लव एंड वार को लेकर चर्चा में हैं। अब खबर है कि एक्ट्रेस जल्द ही हाउसवाइफ का हिस्सा भी होंगी। यह एक रिश्तों पर आधारित ड्रामा फिल्म है और इसे 'दृश्यम 2' के निर्देशक अभिषेक पाठक प्रोड्यूस कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आलिया भट्ट फिल्म में हाउसवाइफ का किरदार निभाएंगी। फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर राजकुमार राव से बातचीत चल रही है, लेकिन अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, आलिया भट्ट केवल मुख्य भूमिका निभाएंगी ही नहीं, बल्कि अपनी प्रोडक्शन कंपनी, एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के तहत इस फिल्म की को-प्रोड्यूसर भी होंगी। वह इस प्रोजेक्ट में अभिषेक पाठक की पैनोरमा स्टूडियोज के साथ भी सहयोग करेंगी।

फिल्म की शूटिंग इस साल अगस्त-सितंबर में शुरू होने की संभावना है। यह प्रोजेक्ट तब शुरू होगा जब अभिषेक पाठक अपनी नई फिल्म 'दृश्यम 3' की शूटिंग पूरी कर लेंगे। इसके अलावा आलिया भट्ट 2027 के लिए कई अन्य प्रोजेक्ट्स पर भी बातचीत कर रही हैं, जिनमें मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'चामुंडा' भी शामिल है। आलिया की अगली फिल्म 'अल्फा' होगी, जो शिव रावल के निर्देशन में बनने वाला एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर है। इस फिल्म में वह एलिट ऑल-वुमेन कॉम्बैट यूनिट की कमांडिंग ऑफिसर का किरदार निभाएंगी, जिसमें उनके साथ शर्वरी वाघ भी हैं। यह फिल्म ब्रह्मास्त्र स्पाय यूनिवर्स में सेट की गई है और इसमें बॉबी देओल भी अहम भूमिका में होंगे। यह फिल्म कब रिलीज होगी इसको लेकर अब तक कोई भी ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। इसके अलावा आलिया भट्ट को फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वार' में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ भी देखा जाएगा। उन्हें आखिरी बार वासन बाला की 'जिगरा' में अभिनेता वेदांग रैना के साथ स्क्रीन पर देखा गया था।

योगी दा में बिना किसी बॉडी डबल के सभी स्टंट मैंने खुद किए

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई धनशिका अपनी अपकमिंग फिल्म 'योगी दा' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। साई फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि फिल्म 'योगी दा' में सभी स्टंट खुद किए हैं। उन्होंने बताया कि बिना किसी बॉडी डबल के एक्शन सीन पूरे किए महिलाएं चाहें तो पुरुषों जितने शानदार स्टंट कर सकती हैं। एक इवेंट में साई धनशिका ने बताया, 'मैंने पहली बार 'पेरानमाई' में एक्शन किया था और वह अनुभव आज भी मेरी मदद करता है। 'योगी दा' में हर स्टंट सीन मैंने खुद किए हैं, बिना किसी बॉडी डबल के। अगर महिलाएं मन बना लें, तो वे पुरुषों की तरह ही अच्छे स्टंट कर सकती हैं।' उन्होंने फिल्म के संदेश पर जोर देते हुए कहा, 'आज महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। समाज अक्सर सोचता है कि एक बार अगर कोई महिला शारीरिक रूप से घायल हो जाए, तो वह फिर कभी खड़ी नहीं हो सकती। लेकिन 'योगी दा' दिखाती है कि वह इससे उबर सकती है और मजबूत होकर वापस आ सकती है। हमने यह फिल्म महिलाओं के लिए, उनकी पूरी क्षमता दिखाने के लिए बनाई है।'

साई धनशिका ने फिल्म के टाइटल की रोचक कहानी भी साझा की। उन्होंने कहा कि 'योगी दा' का नाम सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कबाली' से प्रेरित है। 'मैंने 'कबाली' में रजनीकांत सर की बेटी का किरदार निभाया था, जिसका नाम 'योगी' था। इसी से 'योगी दा' की शुरुआत हुई। हमने 'कबाली' के लुक और एक्शन स्टाइल में समानताएं देखीं, इसलिए यह नाम चुना। 'कबाली' के लिए मैंने असल में अपने बाल कटवाए थे, लेकिन इस फिल्म के लिए विग का इस्तेमाल किया। 'कबाली' के बाद कई महिलाओं ने मेरे किरदार से प्रेरित होकर बाल कटवाए थे। तब मुझे एहसास हुआ कि एक फिल्म लोगों पर कितना गहरा असर डाल सकती है।' एक्ट्रेस ने अपनी पूरी टीम को दिल से धन्यवाद देते हुए कहा, 'मेरी पूरी टीम को बहुत-बहुत शुक्रिया। यह आप सबके बिना संभव नहीं होता। मैं मानती हूं कि ज्यादा बोलने से बेहतर है कि काम बात करे, जो मेहनत फिल्मों में दिखती है।'

'योगी दा' एक एक्शन एंटरटेनर है, जिसे गौतम कृष्णा ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म का निर्माण श्री मोनिका सिनी फिल्म्स के बैनर तले सेंथिलकुमार ने किया है। एक्शन से भरपूर फिल्म में साई धनशिका लीड रोल में हैं। यह फिल्म 6 फरवरी को रिलीज होने वाली है।

शक्ति शालिनी में अनीत पड्डा के साथ नजर आएंगे विशाल जेठवा

'शक्ति शालिनी' मैडॉक यूनिवर्स की मच अवेटेड फिल्म है। फिल्म में 'सैयारा' स्टार अनीत पड्डा नजर आएंगी। इस मूवी की शूटिंग मार्च में शुरू होगी। फिल्म में जबरदस्त ड्रामा और एक्शन देखने को मिलेगा। हाल ही इस फिल्म के मेल एक्टर को लेकर भी अपडेट सामने आई है। 'शक्ति शालिनी' एक फीमेल-लेड एक्शन ड्रामा फिल्म है। इंडिया टुडे की खबर के मुताबिक विशाल जेठवा ने यह फिल्म साइन कर ली है। मैडॉक यूनिवर्स की इस फिल्म में वह अनीत पड्डा के साथ नजर आएंगे। वह फिल्म में अनीत के किरदार के लवर का रोल करेंगे। 'शक्ति शालिनी' में जबरदस्त एक्शन के साथ-साथ एक पर्सनल और इमोशनल एंगल भी देखने को मिलेगा। यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स आगे भी मजेदार फिल्में ला रहा है। इसी साल के अगस्त में 'भेड़िया 2' और साल के आखिर में 'चामुंडा' फिल्म भी रिलीज हो सकती है।

विशाल जेठवा का करियर फ्रंट

विशाल जेठवा ने 'होमबाउंड' और 'मर्दानी 2' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया था। उनकी फिल्म 'होमबाउंड' तो ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटिगरी में भी शॉर्टलिस्ट की गई थी। इस फिल्म में भी विशाल के अभिनय को सराहा गया था।

लंबे करियर में प्रासंगिक बने रहना ही सफलता की असली कुंजी

बदलते समय के साथ दर्शकों की पसंद बदलती रहती है, ऐसे में मनोरंजन इंडस्ट्री में बने रहना किसी भी अभिनेता के लिए आसान काम नहीं है। इस अहम मुद्दे को लेकर बॉलीवुड और टीवी के जाने-माने अभिनेता रणविजय सिंह ने आईएएनएस से बातचीत की और बताया कि कैसे उन्होंने खुद को पिछले 20 सालों में बदलते समय के अनुसार ढाला और हर दौर में दर्शकों के बीच प्रासंगिक बने रहे। आईएएनएस से बातचीत करते हुए रणविजय ने कहा, ''आज के समय में केवल एक यादगार प्रदर्शन या हिट फिल्म ही काफी नहीं रहती। दर्शक और इंडस्ट्री बदल रही है। अब लोग एल्गोरिदम और वायरल कंटेंट को ज्यादा महत्व देते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यादगार काम की कोई अहमियत नहीं है। प्रासंगिक बने रहना सबसे जरूरी है। आप लगातार दर्शकों के सामने अपने काम के नए रूप दिखाते रहें और अपने प्रदर्शन को समय के अनुसार ढालें।''

उन्होंने कहा, ''जब मैं टीवी पर एडवेंचर और रियलिटी शो करता था, तब भी समय के साथ तरीका बदलता रहा। पहले जो तरीका काम करता था, अब वही तरीका पुराने जमाने जैसा लगने लगा। ऐसे में कलाकार को खुद में बदलाव करना और नए प्रयोग करना पड़ता है। यही वजह है कि मैंने हमेशा अपने काम में विविधता बनाए रखी।''

उन्होंने कहा, ''अभिनेता को कभी-कभी अलग तरह के शो करना चाहिए, जिससे दर्शक उनका नया पक्ष देखें। खुद को व्यक्त करना, नया सीखना और लगातार छोटे-छोटे कदम उठाते रहना ही लंबे समय तक सफलता बनाए रखने का रास्ता है।'' रणविजय ने कहा, 'जीवन और करियर में केवल कुछ साल की सफलता पर्याप्त नहीं होती। अक्सर लोग सोचते हैं कि जब चार या पांच साल शानदार गए, तो अब बाकी जीवन आराम से बीत जाएगा। लेकिन वास्तविकता यह है कि लंबे समय तक सफल और यादगार बने रहने के लिए लगातार मेहनत करनी पड़ती है। किसी भी अभिनेता या होस्ट को अपने करियर को 40 साल तक ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए।''

रणविजय ने आगे कहा, ''काम ऐसा होना चाहिए जो सही समय पर लोगों के दिल और दिमाग में जगह बना सके। चाहे वह 15 सेकेंड का सोशल मीडिया कंटेंट हो, ओटीटी शोज हों, फिल्में, शॉर्ट फिल्में, खुद लिखी हुई चीजें या यूट्यूब कंटेंट, सबकुछ करना चाहिए। इस तरह आप दर्शकों की नजर में हमेशा बने रहते हैं और अपने काम की अहमियत बनाए रखते हैं। लगातार प्रासंगिक बने रहना ही सफलता की असली कुंजी है।'' उन्होंने कहा, ''अगर आप 30-40 साल तक लगातार लोगों की कहानियों और अपनी खुद की यात्रा का हिस्सा बने रहते हैं, तो यही करियर का सबसे अच्छा मुकाम है।

अफ्शा के रोल ने मुझे इमोशनली चैलेंज किया

तृप्ति डिमरी ने कम समय में ऐसे किरदार चुने हैं, जो आसान नहीं थे। 'ओ रोमियो' में उनका किरदार बाहर से शांत, लेकिन भीतर से बेहद टूटा हुआ है। इसे लेकर उन्होंने खास बातचीत की...

तृप्ति कहती हैं 'ओ रोमियो' की शुरुआत मेरे लिए एक फोन कॉल से हुई। विशाल सर का नाम सुनते ही एक्साइटेड हो गई थी, क्योंकि उनके साथ काम करने का सपना रहा है। जब कहानी सुनी तो अपने किरदार अपशा से बहुत कनेक्ट हुई। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनका सफर आप खत्म नहीं करना चाहते 'ओ रोमियो' मेरे लिए बिल्कुल वैसी ही रही।'

किरदार वहीं अच्छा जो चैलेंज करें, असली ग्रोथ तभी होगी

बकौल तृप्ति... 'मेरा मानना है कि जो किरदार आपको चैलेंज नहीं करता, उसमें मजा नहीं। एक एक्टर के तौर पर असली ग्रोथ वहीं से शुरू होती है। अफ्शा मेरे लिए आसान किरदार नहीं रहा। यह बहुत इंटर्नल कैरेक्टर है। उसके भीतर दर्द, गुस्सा और उदासी है, लेकिन वह सब बहर बहुत कम दिखाई देता है। इस बैलेंस को पकड़ना सबसे बड़ी चुनौती थी। अतुल मोंगिया और विशाल सर के साथ लंबे सेशन्स हुए।

शाहिद के साथ काम करके सीखा कैसे को-एक्टर को सिक्योर फील कराते हैं...

शाहिद के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर तृप्ति कहती हैं. वह बेहद डिसिप्लिन्ड और परफेक्शनिस्ट हैं। अगर उन्हें लगता है कि सीन और बेहतर हो सकता है, तो वह तब तक करते रहते हैं। सबसे अच्छी बात है कि वह अपने को एक्टर को बहुत सिक्योर फील कराते हैं। उनके साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा। हम पहली बार रीडिंग के दौरान मिले थे। उस वक्त सबका फोकस सिर्फ स्क्रिप्ट और किरदार पर था। किसी को जज करने का सवाल ही नहीं था।' तृप्ति ने आगे 'एनिमल' पर भी कहा कि जब दर्शक किसी किरदार को इतने समय तक याद रखते हैं और दोबारा देखना चाहते हैं, तो यह बहुत बड़ी बात होती है।'

हिट-फ्लॉप से ज्यादा जरूरी यह है कि एक फिल्म से मैंने बतौर एक्टर क्या-क्या सीखा...

तृप्ति ने कहा... 'मेरे लिए हिट या फ्लॉप से ज्यादा जरूरी यह है कि मैंने एक एक्टर के तौर पर क्या सीखा। हर फिल्म आपको कुछ न कुछ सिखाती है। वही सीख आगे आपके काम आती है। बाकी मैं थोड़ी रोमांटिक भी हूं और थोड़ी रियलिस्ट भी। मुझे लगता है कि मोहब्बत में भावनाओं के साथ समझदारी भी जरूरी है। परदे पर मेरे और शाहिद के बीच दर्शकों को वह जरूर दिखेगा।' वहीं शाहिद का कहना है कि...'मेरे लिए सफलता असफलता दोनों अस्थायी हैं। अगर आप सिर्फ सफलता के पीछे भागते हैं, तो जल्दी टूट भी सकते हैं। जरूरी यह है कि आप अपने काम से जुड़े रहें और ईमानदारी रखें। वही आपको लंबे समय तक टिकाए रखेगा। बाकी प्यार जिंदगी की सबसे खूबसूरत चीज है। यह समझ, धैर्य और संवेदनशीलता भी है।'

मास और क्लास दोनों ऑडियंस को छूएगी 'ओ रोमियो'

शाहिद कहते हैं... ' विशाल भारद्वाज के साथ रिश्ता पुराना है, लेकिन मैं हर स्क्रिप्ट को बिल्कुल न्यूट्रल होकर सुनता हूं। यहां मुझे कहानी और किरदार में वह इमोशनल गहराई दिखी, जो एक एक्टर को आगे बढ़ाती है। यह फिल्म मास और क्लास, दोनों को ध्यान में रखकर कही गई है, और यही बात मुझे सबसे ज्यादा एक्साइट करती है।'

स्वामित्व, प्रकाशन एवं संपादन झ कृष्णा टेकरीवाले प्रकाशित समाचारों की सत्यता हेतु संबंधित संवाददाता जिम्मेदार होंगे विज्ञापन हेतु मोबाइल : 9801716267